

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 22

© 2020 , डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

वीडियो अंत तक लगभग 27 मिनट तक खराब रहा।

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट अपने ओल्ड टेस्टामेंट, इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम, व्याख्यान 22 में 1 सैमुअल की पुस्तक पर हैं: एली, सैमुअल, और इस्राएल के पहले राजा के रूप में शाऊल का चयन

A. सैमुअल की भूमिकाएँ: भविष्यवक्ता, पुजारी, न्यायाधीश और राजा निर्माता

[0:00-4:24]

हमने न्यायाधीशों की पुस्तक समाप्त कर ली थी और हमने कहा कि न्यायाधीशों की पुस्तक के अंत में लेवी की उपपत्नी के माध्यम से शाऊल की ओर इशारा किया गया था। हमने कहा कि रूथ की पुस्तक डेविड की ओर इशारा करती है। तो इस्राएल के ये दो राजा 1 शमूएल में भूमिका निभाने जा रहे हैं। सैमुअल, शाऊल और डेविड 1 सैमुअल की किताब के बड़े पात्र बनने जा रहे हैं।

अब, सैमुअल का इतना अधिक सम्मान क्यों किया जाता है? यह व्यक्ति पुराने नियम में अत्यंत सम्मानित लोगों में से एक है। यदि आप यिर्मयाह अध्याय 15 को देखें तो यह पता चलता है, मुझे इसे यिर्मयाह की पुस्तक से पढ़ने दीजिए। अब जेरेमिया सैकड़ों और सैकड़ों साल बाद का है, जेरेमिया शायद लगभग 600 ईसा पूर्व का है, सैमुअल शायद लगभग 1100 ईसा पूर्व का है इसलिए वहां लगभग 500 साल का अंतर है। क्या लोग आपको 500 साल तक याद रखेंगे? यहाँ, 500 साल बाद, यिर्मयाह ने शमूएल के बारे में क्या कहा, "और यहोवा ने मुझ से कहा, चाहे मूसा और शमूएल मेरे साम्हने खड़े भी हों, तौभी मेरा मन इन लोगों की ओर न भड़केगा, उन्हें मेरे साम्हने से दूर कर दे।" परमेश्वर कहता है, "चाहे मूसा और शमूएल भी मेरे साम्हने खड़े होते, तौभी मैं उनकी न सुनता।" अब, वैसे, क्या मूसा पुराने नियम के समय में अपने लोगों के लिए महान मध्यस्थ है - जंगल में मूसा? मूसा और शमूएल को यहां यिर्मयाह द्वारा एक साथ समूहीकृत किया गया है। तो यह बहुत दिलचस्प है--मूसा और सैमुअल। वे दो विशाल हस्तियाँ हैं, और कहा जाता है कि सैमुअल उस स्तर पर मूसा के साथ है।

सैमुअल महान न्यायाधीशों में से अंतिम बनने जा रहे हैं। तो सैमुअल के साथ हम शायद

लगभग 1100 ईसा पूर्व में हैं, मैं नहीं चाहता कि आप उसकी सही तारीख जानें, लेकिन यह लगभग 1100 ईसा पूर्व है। जिस तारीख को हम जानते हैं वह डेविड कौन सी है? डेविड का 1000 ई.पू. डेविड एक छोटा बच्चा होने वाला है। अतः शमूएल महान न्यायाधीशों में से अंतिम है।

वह भी एक पुजारी है. उसे एली को सौंप दिया गया और एक पुजारी के रूप में पाला गया। वह परमेश्वर के तम्बू में सेवा करने वाला एक याजक होगा। वह एक पैगम्बर भी हैं. वह भगवान के लिए बोलता है. पैगंबर का महान संदेश क्या है? भविष्यवक्ता का महान संदेश है, " यहोवा यों कहता है ।" पैगंबर भगवान के लिए बोलता है. वह आमतौर पर कहता है, "पश्चाताप।" परन्तु भविष्यद्वक्ता कहता है, यहोवा यों कहता है । तो शमूएल एक भविष्यवक्ता, याजक बनने जा रहा है और जब मैं कहता हूँ नबी, याजक... और आगे क्या होता है? पैगंबर, पुजारी और राजा. क्या आपका दिमाग भविष्यवक्ता, पुजारी और राजा के पास नहीं जाता? परन्तु वह एक भविष्यवक्ता, याजक, और न्यायाधीश है। वह जज क्यों है? क्योंकि इजराइल में इस समय कुछ है ही नहीं? कोई राजा नहीं है.

सैमुअल वही बनने जा रहे हैं जो पहले किंग मेकर हैं. भगवान अंततः पहले राजाओं को चुनने जा रहे हैं, लेकिन सैमुअल, मानवीय स्तर पर, भगवान के लिए इजराइल के पहले दो राजाओं [मसीहा] को चुनेंगे और उनका तेल से अभिषेक करेंगे। इसलिए शमूएल शाऊल का अभिषेक करने जा रहा है और फिर वह दाऊद का अभिषेक करने जा रहा है। सैमुअल उसमें शामिल होने जा रहा है.

इसराइल में अब एक बहुत बड़ा परिवर्तन हो रहा है। यह परिवर्तन न्यायाधीश काल से राजत्व काल तक है। राजशाही कब तक टिकने वाली है? इस्राएल में कब तक राजा रहेंगे? "और वह युगानुयुग राज्य करेगा।" अतः अब शमूएल के साथ राज्य स्थापित किया जा रहा है। शमूएल इसकी पहल करने जा रहा है और वह इस्राएल के पहले दो राजाओं [शाऊल, डेविड] का अभिषेक करने जा रहा है। राजा तो चलते ही रहेंगे. इस्राएल के राज्य में यीशु मसीह स्वयं दाऊद का पुत्र कहलाएगा। तो यहाँ राजाई वा राजशाही स्थापन हो रही है। इजराइल के इतिहास में यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण बिंदु है।

बी. 1 सैमुअल का लेखकत्व और साहित्यिक पैटर्न [4:25-7:26]

अब, क्या शमूएल ने शमूएल की पुस्तक लिखी? उत्तर है: नहीं। अध्याय 28 में सैमुअल मर चुका है, और जो मुझे बताया गया है, उसके अनुसार यह लिखना बहुत कठिन है कि जब आप मर चुके हों। तो वह 1 शमूएल 28 में मर चुका है। इसलिए यह किताब शमूएल के बारे में है, जरूरी नहीं कि वह उसके द्वारा लिखी गई हो। अब, शायद उस आदमी के पास नोट्स थे। सैमुअल के पास संभवतः डायरियाँ, पत्रिकाएँ और ऐसी चीज़ें थीं जो इस पुस्तक को लिखने वाले लोगों ने उसके पास मौजूद भविष्यसूचक रिकॉर्ड से बहुत अच्छी तरह से काम किया होगा, लेकिन जहाँ तक इसे लिखने की बात है, वह अध्याय 28 में मर चुका है, इसलिए वह उस बिंदु से आगे नहीं लिख रहा है।

अब, यहाँ साहित्यिक पैटर्न है। न्यायाधीशों की पुस्तक में हमारे पास एक साहित्यिक पैटर्न था और यहाँ सैमुअल की पुस्तक के लिए साहित्यिक पैटर्न है। यह वास्तव में समान है। सबसे पहले, आपके पास है : एक पुराने नेता का निधन। तो वहाँ एक पुराना नेता होगा, शमूएल की किताब में पुराना नेता एली होगा। पुराने नेता का निधन हो जाएगा। पुराने नेता का बुरा हाल हो जाएगा और वे चले जाएंगे। फिर, दूसरी बात, परमेश्वर एक नये नेता का चयन करेगा। शुरुआत में पुराने नेता एली थे और फिर सैमुअल नए नेता होंगे। इसलिए नया नेता कार्यभार संभालेगा और नेतृत्व का क्रम जारी रहेगा। नेताओं का यह परिवर्तन, एक मामले में, एली से सैमुअल, और फिर सैमुअल से शाऊल और शाऊल से डेविड के बीच होता है।

फिर क्या होता है, और यह महत्वपूर्ण है, 1 सैमुअल में नए नेता को क्या करना है? वह हर बार ऐसा करता है: नेता को सैन्य जीत हासिल करनी होगी। इसलिए भगवान द्वारा नए नेता को चुने जाने के बाद, एक नया नेता जो पहली चीज़ करता है वह सैन्य जीत हासिल करना है। वैसे, ऐसा होगा, डेविड को अध्याय 16 में अभिषिक्त राजा मिलता है। अनुमान लगाइए कि अध्याय 17 में क्या होता है? डेविड की महान जीत क्या है? कमरे में हर कोई इसे जानता है! डेविड की महान जीत क्या है? गोलियथ! तो उसका अभिषेक किया जाता है (अध्याय 16) और फिर उसे सबसे पहले क्या करना है? उसे सैन्य जीत हासिल करनी है। इसलिए डेविड ने अभिषेक के बाद अगले अध्याय (अध्याय 17) में गोलियथ को हरा दिया। तो आपको चयन और उसके द्वारा किए गए कार्य के बीच यह संबंध मिलता है।

फिर क्या होता है? नए नेता को लेकर दिक्कतें हैं। शाऊल के पास समस्याएँ हैं, डेविड के

पास समस्याएँ हैं, सैमुएल के पास समस्याएँ हैं, और मूल रूप से एक पुराने नेता का निधन और यह चक्र फिर से चलता रहता है।

तो मूल रूप से किताब यहाँ इसी तरह काम करती है। डॉ. बोरगमैन, जिन्होंने डेविड पर एक किताब लिखी है, और वास्तव में मुझे डॉ. बोरगमैन द्वारा पोस्ट किया गया एक व्याख्यान मिला है, जो लिखते हैं कि सैमुअल की किताब में ये सभी प्रतिध्वनियाँ हैं। दूसरे शब्दों में, सैमुअल की किताब एक ही बात को कई बार कहती है। तो किताब में ये गूँजे हैं, और आपको उन गूँजों या इन दोहरावों को सुनना होगा जो सैमुअल की किताब में हैं। दोहराव 1 सैमुअल को समझने की कुंजी में से एक है। तो जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम देखेंगे लेकिन यह बुनियादी संरचना है।

सी. सैमुअल चक्र: एक पुराने नेता की मृत्यु—सैमुअल का जन्म [7:27-14:31]

हमारा पहला चक्र कौन सा है? यह हमारा पहला सैमुअल चक्र है। तो चलिए इसके माध्यम से चलते हैं। हमारा पहला चक्र पुराने नेता का निधन है। 1 शमूएल अध्याय 1, हमारा पुराना नेता एली है। एली परमप्रधान परमेश्वर का पुजारी है। इस समय पुजारी कहाँ सेवा करते हैं? यहूदियों के पास यरूशलेम नहीं है क्योंकि दाऊद के समय तक यरूशलेम पर कब्जा नहीं किया जाएगा। दाऊद वह होगा जो यरूशलेम पर कब्जा करेगा। इस समय यरूशलेम पर यबूसियों का अधिकार है। तो एली के साथ तम्बू कहाँ स्थापित किया गया है? क्या किसी को जगह का नाम याद है? शीलो. शिलोह नाम की एक जगह है. तम्बू शीलो में दो सौ वर्षों के लिए स्थापित किया गया था। अतः अध्याय 1 और 2 में एली शीलो में याजक है।

फिर हन्ना नाम की एक महिला है। मेरी माँ जब भी बहुत क्रोधित होती थी तो हमेशा कहती थी, "तो मेरी मदद करो हन्ना!" एल्काना नाम का एक पति है और उसकी दो पत्नियाँ हैं। क्या हमने दो पत्नियों वाले पति के सामने ऐसा देखा है? हाँ, हमने यह पहले भी देखा है। राहेल और लिआ के साथ याकूब को याद करो। यहाँ हमें फिर से दो पत्नियाँ मिल गयीं। एक का नाम हन्ना है, दूसरे का पत्निना। सभी बच्चे किसके हैं? पेनिना के सभी बच्चे हैं। हन्ना के बच्चे नहीं हो सकते. क्या यह प्राचीन विश्व की एक समस्या है? हमने बांझ औरत की कहानी देखी है. क्या हमने यह कहानी बार-बार देखी है? तो एल्काना की पत्नी हन्ना है, वह उससे प्यार करता है, लेकिन उसके बच्चे नहीं हो सकते। उसका दिल टूट गया है, वह बच्चे पैदा करना चाहती है और कहती है कि यहोवा ने उसकी कोख

बंद कर दी है। उसकी प्रतिद्वंद्वी पेनित्राह , "उसे परेशान करने के लिए उसे उकसा रही थी।"

अब, हन्ना का पति एल्काना दुनिया का सबसे चतुर आदमी नहीं है - दराज में रखा सबसे तेज़ चाकू भी नहीं। एल्काना अपनी पत्नी से यही कहता है। उसकी पत्नी पूरी तरह से व्याकुल है, उसके बच्चे नहीं हो सकते, उसका प्रतिद्वंद्वी उसे उकसा रहा है, बस दिन के उजाले से उसे चिढ़ा रहा है। तो एल्काना हन्ना के पास आता है और वह उसे कुछ सांत्वना देने वाली बात कहना चाहता है, और यही वह कहता है: इस लड़के को सुनो, " एल्काना , उसका पति उससे कहता, 'हन्ना तुम क्यों रो रही हो, तुम क्यों नहीं रोती खाओ?' क्या तुम्हें ध्यान आया कि क्या हो रहा है? वह व्याकुल है. कितने लोग व्याकुल होने पर खाना नहीं खाते? उसने देखा कि वह खाना नहीं खा रही है। क्या यह अवसाद के लक्षणों में से एक है कि कोई व्यक्ति खाना नहीं खाता है? तो वह इस बात को उठाता है और कहता है, "तुम क्यों नहीं खाते? तुम निराश क्यों हो?" और फिर वह यह बयान देता है, "क्या मैं आपके लिए दस बेटों से ज़्यादा मायने नहीं रखता?" [सीएफ. रूथ 4.15] उस अलंकारिक प्रश्न का उत्तर क्या है? बिल्कुल नहीं! मुझे दस बेटे चाहिए! "हन्ना, क्या मैं तुम्हारे लिए दस बेटों से ज़्यादा मायने नहीं रखता?" नहीं, इसलिए आपको इस प्रकार के प्रश्न नहीं पूछने चाहिए। आप बस उस प्रकार के प्रश्न न पूछें। तो यह लड़का थोड़ा हटकर है , उसे अपनी पत्नी को बेहतर तरीके से जानना चाहिए था और यह पूछना एक बुरा सवाल है।

इसलिए हन्ना अध्याय 1 श्लोक 11 में यह प्रतिज्ञा करती है "हे सर्वशक्तिमान यहोवा, यदि तू केवल अपने दास के दुःख पर दृष्टि करेगा, और मुझे स्मरण करेगा, और अपनी दासी को न भूलेगा, परन्तु उसे एक पुत्र देगा," इसे जांचें "मैं दूंगा" वह जीवन भर यहोवा के पास रहे, और उसके सिर पर कभी छुरा न चलाया जाएगा।" उसने अपने बेटे को जन्म से ही किसके लिए समर्पित किया है? हाँ, यह एक नाज़ीर प्रतिज्ञा है। क्या शमूएल जन्म से ही नाज़रीट होगा? अब, जन्म से दूसरा नाज़ीर कौन है जिसके बारे में हम जानते हैं? सैमसन. वैसे, क्या सैमुअल बड़ा और मजबूत होने वाला है? नहीं, लेकिन वह जन्म से ही भगवान को समर्पित है। उनकी मां कहती हैं कि उनके सिर पर कोई उस्तरा नहीं आएगा.

अब , समस्या यह है, एली, जो पुजारी है, उसे भगवान से प्रार्थना करते हुए देखता है, और सुनता है कि एली की प्रतिक्रिया क्या है: "जब वह प्रभु से प्रार्थना करती रही, एली ने उसका मुंह

देखा।" अध्याय 1 का पद 13, "हन्ना मन ही मन प्रार्थना कर रही थी और उसके होंठ हिल रहे थे परन्तु उसकी आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी। एली को लगा कि वह नशे में है। और उस ने उस से कहा, तू कब तक मतवाला होती रहेगी? उठना! अपनी शराब से छुटकारा पाओ।" एली ने उसे डांटा। यह महिला अपना हृदय प्रभु को बता रही है। तो एली अपने पूरे मामले में कूद पड़ती है और कहती है, "तुम एक नशे में धुत्त महिला हो और यहाँ से चली जाओ। तुम नशे में हो और तुम्हें प्रभु के मंदिर में नहीं जाना चाहिए।" यह वास्तव में एक प्रकार की विडंबना है, क्या ऐसा नहीं है कि एली हन्ना को डांटता है? खैर, मुझे बस यह बताने दीजिए कि यह विडंबनापूर्ण क्यों है। एली ने हन्ना को नशे में होने के लिए डांटा, लेकिन एली के अपने बच्चे क्या कर रहे थे? क्या वे तम्बू के सामने महिलाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे थे? तो मेरा अनुमान है, क्या आपने कभी किसी माता-पिता को अपने बच्चों की बुराई दूसरे बच्चों पर थोपते देखा है? मुझे लगता है कि एली जो कह रहा है, वह जानता है कि उसके बच्चे इन महिलाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, तम्बू क्षेत्र में अनैतिक व्यवहार कर रहे हैं, और इसलिए वह सोचता है कि वह इन अनैतिक महिलाओं में से एक है जो नशे में है और तम्बू में परेशानी उठा रही है। तो वह उसे डांटता है। लेकिन यह पता चला कि क्या वह वास्तव में धर्मी है? क्या वह एक निश्चित अर्थ में उससे अधिक धर्मी है? इसलिए वह हन्ना पर प्रोजेक्ट करता है कि उसके अपने बच्चे क्या कर रहे हैं और यह गलत था।

भगवान आते हैं और हन्ना को एक बेटा देते हैं। बेटे का नाम "सैमुअल" है। सैमुअल एक खूबसूरत नाम है। आप लोग यह पहला शब्द जानते हैं, याद है? "शेमा" का क्या मतलब है? क्या किसी को यह याद है: "शेमा इज़राइल"? व्यवस्थाविवरण 6.4. "सुनो," बिल्कुल, " सुनो।" तो शेमा का अर्थ है "सुनना।" "सुना है," और उसके नाम का अंतिम भाग क्या है? "एल के बारे में सुना," या "एल ने सुना।" एल कौन है? एल भगवान है। "भगवान ने सुन ली।" तो सैमुअल के नाम का क्या मतलब है? "भगवान ने सुना," "भगवान ने सुना," भगवान ने उसकी प्रार्थना सुनी और उसे सैमुअल दिया। तो, "भगवान ने सुन लिया," यह एक सुंदर नाम है--सैमुअल। इस प्रकार शमूएल का नाम रखा गया और परमेश्वर ने सुनी और हन्ना को यह पुत्र दिया।

फिर हन्ना ने उसे एली को सौंपकर प्रभु को समर्पित कर दिया। वैसे, और किसने भगवान से मन्नत मानी होगी और अपने बच्चे को भगवान को सौंप दिया होगा? क्या यह कुछ-कुछ यिप्तह जैसा

लगता है? याद रखें कि यिप्तह ने एक प्रतिज्ञा की थी और वहाँ एक दिलचस्प समानता हो सकती है।

डी. एली के पुत्र होप्पी और पीनहास [14:32-17:21]

अब, एली के बेटों, हमने इन लोगों के बारे में क्या सीखा - एली के बेटों के बारे में? वे जो कर रहे थे उसमें दो बड़ी समस्याएँ हैं। एली के अधीन याजक थे; एली मुख्य महायाजक होगा। जब लोग बलि लेकर आए तो उसके पुत्र होप्पी और पीनहास मांस काट रहे थे। क्या याजकों को कुछ मांस खाने को मिला? यदि यह शुद्धिकरण भेंट थी, या यदि यह पाप या दोष बलि थी, तो याजकों को उसमें भाग लेना था। यदि यह संपूर्ण होमबलि थी, तो याजकों को वह नहीं मिला क्योंकि यह पूरी तरह से प्रभु के लिए जलाया गया था। लेकिन उनके बच्चे, जब भी कोई बलिदान देखते थे, तो वे सोचते थे, "अरे, यह स्टेक का समय है, हम खाना खाएंगे।" इसलिए उन्होंने अपना कांटा अंदर डाला और जो भी मांस वे चाहते थे ले लिया और भगवान के बलिदान को पूरी तरह से अपवित्र कर दिया। यह बात सभी लोग जानते थे। जब वे अपने पापों के लिये अपने बलिदान परमेश्वर के पास लाये, तो याजक उन्हें काट रहे थे। इसलिए इसने परमेश्वर की बलिदान प्रणाली को पूरी तरह से अशुद्ध कर दिया।

वे तम्बू के पास स्त्रियों के साथ अनैतिक कार्य भी कर रहे थे। इसलिए ये महिलाएं प्रसाद लेकर आएंगी और जल्द ही लोग उन्हें बिस्तर पर ले जाने की कोशिश करेंगे। तो ये वाकई बहुत बुरा था। अब, यह उससे भी बदतर है क्योंकि बुतपरस्त धर्मों में, बाल पूजा और अशेरा पूजा होती है। बाल की पूजा प्रजनन क्षमता के देवता थे। क्या तुम लोगों को पुराने नियम में बाल याद है? बाल प्रजनन क्षमता का देवता था। बाल पूजा के लिए पूजा सेवा का एक हिस्सा यह था कि एक आदमी पुजारिन के पास जाएगा और पुजारिन को मंदिर में रखा जाएगा। लड़का पुजारिन के पास जाएगा, अगर वह गर्भवती हो और वह उपजाऊ हो, तो यहां हर तरह की कल्पना है। दरअसल, मैं नहीं चाहता कि आप कल्पना के बारे में सोचें, मैं चाहता हूँ कि आप विचारों के बारे में सोचें। लेकिन अगर लड़का अंदर जाता है और पुजारिन को गर्भवती करता है, और वह उपजाऊ है तो इसका मतलब है कि उसकी भूमि उपजाऊ होगी। क्या आपको समानता दिखती है? यह एक प्रजनन संस्कार था और वे इज़राइल में इन प्रजनन संस्कारों का अभ्यास करते थे। वैसे, क्या यह बहुत अनैतिक है? यह बाल की पूजा का हिस्सा था, क्या यह सचमुच घृणित है? लेकिन आप समझ सकते

हैं, वह आदमी चाहता था कि उसकी ज़मीन उपजाऊ हो, इसलिए वह पुजारिन से मिलने जाएगा और महिला के साथ जो होता है और उसकी ज़मीन के साथ जो होता है, उसके बीच इस तरह का सहानुभूतिपूर्ण या सहजीवी संबंध था। तो आपके पास यहाँ जो कुछ है वह इस्राएल के साथ तम्बू आँगन में उसी चीज़ का अनुकरण है, जो पूरी तरह से यहोवा परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध है।

ई. सैमुअल का बचपन [17:22-18:29]

एली के पुत्र होप्पी और पीनहास के विपरीत, आपके पास अध्याय 2 छंद 25 और 26 में यह अद्भुत कथन है, मुझे इस कथन को पढ़ने दीजिए। जब मैं यह कथन पढ़ता हूँ तो मेरे मन में कौन आता है? "हालाँकि, एली के बेटों ने अपने पिता की डाँट नहीं सुनी। क्योंकि प्रभु की इच्छा उन्हें मार डालने की थी। और बालक शमूएल का कद बढ़ता गया और वह प्रभु और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया।" क्या किसी को याद है, मुझे इसे दोबारा पढ़ने दो, यह पंक्ति लगभग शब्द दर शब्द किसके बारे में कही गई है? "और बालक शमूएल का कद बढ़ता गया और वह प्रभु और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया।" क्या किसी को याद है कि लूका अध्याय 2 में कहा गया है, "यीशु का कद बढ़ता गया और वह परमेश्वर और मनुष्य के अनुकूल हो गया"? यह लगभग वही वाक्यांश है जो यीशु के लिए प्रयोग किया जाता है। यहां सैमुएल का प्रयोग किया गया है। तो यह कुछ दिलचस्प है, सैमुअल एक अच्छा इंसान है। वह बड़ा हुआ और प्रभु तथा मनुष्यों के अनुकूल हो गया।

एक पिता के रूप में एफ. एली [18:30-19:41]

अब, एली एक पिता के रूप में कैसा है? इससे पता चलता है कि एली एक पिता के रूप में एक कमजोर आदमी प्रतीत होता है और वह एक कमजोर पिता प्रतीत होता है। उसके बेटे बुराई कर रहे थे, और उसने अपने बेटों को ऐसा करने से नहीं रोका। वह एक कमजोर पिता है और उसके बुरे बेटे हैं। अब मैं इस तरह के पिता-पुत्र के रिश्ते को देखना चाहता हूँ जैसा सैमुअल की किताब में बताया गया है। जब मैं छोटा था, मैंने नीतिवचन की किताबें पढ़ीं, मैं एक युवा पिता था, मेरी उम्र बीस के आसपास थी और मेरा पहला बच्चा था। मैं वास्तव में नहीं जानता था कि पिता बनना कैसा होता है, और इसलिए मैंने निर्णय लिया कि मैं अपना शैक्षणिक कार्य करूँगा और नीतिवचन की पुस्तक का अध्ययन करूँगा। मैंने अपने अधिकांश जीवन में पी कहावतों का अध्ययन क्यों किया? क्योंकि कहावत है: जैसे एक पिता अपने बच्चों से बात करता है। इसलिए मैं

एक अच्छा पिता बनना चाहता था। मैंने सोचा था कि मैं एक अच्छा पिता बनूंगा और इससे मुझे अच्छे बच्चों की गारंटी मिल जाएगी, है ना? अगर मैं एक अच्छा पिता हूँ, तो मेरे बच्चे भी अच्छे बनेंगे क्योंकि मैं एक अच्छा पिता हूँ। मैं बस उनमें से कुछ को उजागर करना चाहता हूँ, मैं तब से बहुत बड़ा हो गया हूँ, लेकिन मैं सिर्फ इसे उजागर करना चाहता था। हम इस पर वापस आएंगे लेकिन एली एक कमजोर पिता था।

जी. सैमुअल की पुकार [19:42-24:38]

सैमुअल की कॉल के बारे में क्या? अध्याय 3 में सैमुअल की पुकार एक सुंदर कहानी है। क्या आप में से कोई संडे स्कूल में बच्चों को पढ़ाता है? यह संडे स्कूल की एक बेहतरीन कहानी है। शमूएल अपने बिस्तर पर सो रहा है, एली, पुजारी, अपने बिस्तर पर सो रहा है, और रात में अचानक प्रभु शमूएल के पास आते हैं और कहते हैं, "सैमुअल, सैमुअल।" सैमुअल जागता है और कहता है, "वाह! एली ने फोन किया और वह ट्रक लेकर एली के पास गया और बोला, 'एली, तुम क्या चाहते हो?' एली कहती है, 'मैंने तुम्हें बिस्तर पर वापस जाने के लिए नहीं बुलाया।' क्या बच्चे कभी रात में उठते हैं, और जब कोई चीज़ उन्हें डरा देती है और वे अपने माता-पिता के पास जाते हैं? हमारे बच्चे कितनी बार ऐसा करते हैं, जब हमारे पास इंडियाना में गड़गड़ाहट और बिजली गिरती है या बवंडर आता है और अचानक बच्चे, जूम करते हैं, वे अपने बिस्तर से बाहर होते हैं और आप जागते हैं और आपके बच्चे आपके ऊपर रेंग रहे होते हैं क्योंकि वे डरा हुआ।

इसलिए एली ने उसे वापस भेज दिया। "सैमुअल, सैमुअल।" सैमुअल फिर से उठता है और एली के पास दौड़ता है। "एली, तुम क्या चाहती हो?" "मैंने तुम्हें फ़ोन नहीं किया!" वैसे, जब आप माता-पिता होते हैं, तो क्या बच्चे आपको आधी रात में जगा देंगे? हाँ। यह खेल का हिस्सा है, जब तक कि आपके पास कुछ ऐसे बच्चे न हों जो अत्यधिक बेहोश हों। नहीं, ऐसा मत करो! सच में, कुछ बच्चे अलग होते हैं, कुछ बच्चे पूरी रात सोते हैं, अन्य बच्चे आपको बार-बार पूरी रात जगाए रखेंगे। मैं आपके लिए उस तरह की कामना करता हूँ जो रात भर सोता है, यह काफी अलग है।

तो फिर भी, आखिरकार तीसरी बार, एली को इसका पता चल गया और उसने कहा, "मैं इस बच्चे को नहीं बुला रहा हूँ। अवश्य ही भगवान उसे बुला रहे होंगे।" इसलिए एली अध्याय 3 में उसकी ओर मुड़ता है, "और एली को एहसास हुआ कि भगवान लड़के को बुला रहे थे।" अध्याय 3,

पद 9, "तब एली ने शमूएल से कहा, 'जाकर लेट जा, और यदि वह पुकारे, तो कहना, हे प्रभु कह, तेरा दास सुन रहा है।'" क्या आपको यहां शब्दों का खेल समझ में आया? सैमुअल का नाम क्या है? सुनना। तो यहाँ सैमुअल के नाम पर एक नाटक है। "हे प्रभु, बोल, तेरा दास सुन रहा है।" भगवान ने जो सुना था, वही अब सुनने वाला है।

अतः शमूएल जाकर अपने स्थान पर लेट गया। प्रभु आये और वहाँ खड़े होकर उसी प्रकार पुकारने लगे जैसे पहले करते थे, "शमूएल, शमूएल।" शमूएल कहता है, हे यहोवा, बोल, तेरा दास सुन रहा है। यहोवा ने शमूएल से कहा, अब यह दिलचस्प है और यह भारी है। परमेश्वर शमूएल से बात कर रहा है। "देखो, मैं इसराइल में कुछ ऐसा करने जा रहा हूँ, जिसे सुनने वाले हर किसी के कान झनझना उठेंगे। उस समय, मैं एली के विरुद्ध वह सब कुछ पूरा करूँगा जो मैंने उसके परिवार के विरुद्ध शुरू से अंत तक कहा था। क्योंकि मैंने उससे कहा था कि जिस पाप के बारे में वह जानता है उसके कारण मैं उसके परिवार का हमेशा के लिए न्याय करूँगा। उसके बेटों ने खुद को घृणित बना लिया और वह उन पर लगाम लगाने में नाकाम रहा।" क्या पिता की भूमिकाओं में से एक है अपने बच्चों पर लगाम लगाना? हाँ! क्या आपके माता-पिता आपको रोक सकते हैं? आपमें से कितने लोगों ने छिपकर कुछ ऐसा किया है जिसके बारे में आपके माता-पिता को पता नहीं है कि आपने क्या किया? यहां उसका न्याय किया गया क्योंकि उसने अपने बच्चों को भगवान की उपस्थिति में यह बुराई करने से नहीं रोका। "क्योंकि मैंने उससे कहा था कि जिस पाप के बारे में वह जानता था उसके कारण मैं उसके परिवार का हमेशा के लिए न्याय करूँगा। उसके बेटों ने खुद को घृणित बना लिया और वह उन्हें रोकने में असफल रहा। इसलिये मैं ने एली के घराने से शपथ खाई, कि एली के घराने के अपराध का प्रायश्चित्त बलिदान या भेंट से कभी न होगा।

अब, तुम छोटे लड़के सैमुअल हो। तुम्हें कौन पाल रहा है? एली तुम्हारा सौतेला पिता है, वह पुजारी है। क्या आप उस व्यक्ति की ओर देखते हैं जो आपका पालन-पोषण कर रहा है? सैमुअल उसकी ओर देखता है। वह उसका हीरो है और अब अगली सुबह, एली सबसे पहले क्या पूछने वाली है? "अरे, सैमुअल, सैमुअल, भगवान ने तुमसे क्या कहा?" क्या आप छोटा लड़का बनना चाहेंगे, सैमुअल एली को बताएगा कि भगवान कहते हैं, "एली तुम्हारा परिवार बर्बाद हो गया है। सब खत्म हो गया।" क्या आप ऐसा करते हुए एक छोटा लड़का बनना चाहेंगे? वैसे, क्या यह एक

भविष्यवक्ता की भूमिका है? और इतना निश्चित है कि, अगली सुबह, एली उठता है और सैमुअल उत्तर देता है, "मैं यहाँ हूँ," और वह कहता है, "उसने तुमसे क्या कहा?" श्लोक 17 में कहा गया है, एली ने पूछा, "इसे मुझसे मत छिपाओ, यदि तुम मुझसे कुछ भी छिपाओगे तो भगवान तुम्हारे साथ इतनी सख्ती से पेश आएंगे।" तो सैमुअल इसके साथ बाहर आता है और उसे बताता है कि उसने जो किया उसके कारण वह और एली का परिवार इतिहास बन गए हैं।

इसलिए एली को अस्वीकार कर दिया गया है, और एली के दो लड़के, होप्पी और पीनहास को भी अस्वीकार कर दिया गया है। भगवान, अब, एक नये नेता का चयन कर रहे हैं। नए नेता सैमुअल हैं। यह छोटा लड़का सैमुअल परमेश्वर का कहलाता है। यह ईश्वर का आह्वान है। आप जानते हैं कि हम बुलाहट और ईश्वर की पुकार के बारे में बात करते हैं। यह सैमुअल की ईश्वर की पुकार है और यह वास्तव में एक साफ-सुथरी पुकार है। इसमें छोटे बच्चों जैसा अहसास है। वैसे, क्या छोटे बच्चे इस कहानी से जुड़ सकते हैं? यह संडे स्कूल की कक्षा और छोटे बच्चों के लिए एक बेहतरीन कहानी है; वयस्कों के लिए भी।

एच. भौगोलिक सेटिंग: मानचित्र कार्य [24:39-26:49]

अब, एक पुराने नेता के निधन से, आपको एली मिल गया है, अब क्या होगा? वह जानता है कि उसका इतिहास है, लेकिन इससे पहले कि हम तस्वीर पर आएँ, मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि यहाँ एक नक्शा आ रहा है, और मैं इसके लिए क्षेत्र का एक प्रकार का लेआउट बनाना चाहता हूँ। सबसे पहले, क्या आप यहाँ शीलो देखते हैं? पलिशती यहाँ तटीय मैदान में होंगे। यह भूमध्य सागर के किनारे पलिशती मैदान है। इसके बारे में यहूदी तरीके से सोचने पर तस्वीर बग़ल में घूम जाती है। यहाँ भूमध्य सागर है, पलिशती यहाँ से निकलने वाले हैं, यहूदी पहाड़ों में हैं। यहाँ शीलो है। क्या शीलो वास्तव में अच्छी तरह से सुरक्षित है? यहीं पर परमेश्वर का तम्बू होगा। वैसे यहाँ नीचे क्या है? यरूशलेम वहाँ के बारे में दक्षिण में है। क्या आप यह मार्ग देखते हैं जो यहीं तक जाता है? इसे रिज रूट कहा जाता है। यह यरूशलेम से उत्तर से दक्षिण, बेटलेहेम, नीचे हेब्रोन तक जाती है। इसे रिज रूट कहा जाता है। क्या शीलो सड़क से थोड़ा हटकर है? ग्रेपवाइन रोड या गॉर्डन कॉलेज की तरह। यह मुख्य मार्ग से थोड़ा हटकर है। क्या शीलो वास्तव में पहाड़ों से अच्छी तरह सुरक्षित है? पलिशती यहाँ नीचे हैं, क्या पलिशतियों को शीलो तक पहुँचने के लिए पहाड़ों से होकर ऊपर जाना

होगा? इसलिए यह बहुत अच्छी तरह से संरक्षित है। शीलो वहीं है, जहां तम्बू दो सौ वर्षों तक था।

अब क्या होने वाला है, वे सन्दूक को शीलो से बाहर लाएंगे और वे इसे इस सड़क पर लाएंगे। वह वास्तव में आज तक मौजूद है। वे इसे अपेक में लाने जा रहे हैं। अपेक वह स्थान है जहाँ पलिशती रहने वाले हैं, और वे यहाँ पलिशती तट के मैदान में युद्ध करने जा रहे हैं। लेकिन जब वे मैदानी इलाकों में लड़ेंगे तो फायदा किसे होने वाला है? पलिशतियों। तो पलिशती वास्तव में यहाँ परमेश्वर के सन्दूक पर कब्ज़ा करने जा रहे हैं। एली के बच्चे होफनी और फिनेहास यहीं अपेक में मरने वाले हैं। वहाँ एक युद्ध होने वाला है, और यह यहीं नीचे होने वाला है। सन्दूक खो जाने वाला है और वे सन्दूक को पलिशती नगरों तक ले जाने वाले हैं। तो यह एक प्रकार का युद्ध परिदृश्य है। यहूदी पहाड़ों पर तो सुरक्षित हैं, लेकिन फ़िलिस्ती के मैदान में सुरक्षित नहीं हैं। वहां युद्ध होने वाला है। तो यह इस तरह का भूगोल है।

I. एक पुराने नेता का निधन: एली [26:50-30:22]

अब, एक पुराने नेता के निधन पर, वे वापस जाते हैं, और वे पलिशतियों से लड़ने जा रहे हैं। तो सन्दूक यहाँ पर कब्ज़ा कर लिया जाएगा और इज़राइल से हार जाएगा। वे जहाज़ बाहर लाते हैं, और जब मैं छोटा था, तो मैं सोचता था कि पलिशतियों से लड़ने के लिए जहाज़ बाहर लाने में वे ग़लत थे। वे आंशिक रूप से ग़लत हो सकते हैं, लेकिन क्या इसराइल ने पहले कभी युद्ध के लिए सन्दूक निकाला है? जब हम यहोशू की पुस्तक में थे, तो क्या किसी को वह युद्ध याद है जहाँ सन्दूक ने रास्ता दिखाया था? हाँ, जब वे जेरिको के आसपास घूम रहे थे। सन्दूक उन्हें सात दिन तक दिन में एक बार और सातवें दिन सात बार यरीहो के चारों ओर ले गया। सन्दूक उन्हें युद्ध में ले गया। अतः यहोशू के ऊपर से ऐसा करने के लिए उन्हें प्राथमिकता दी गई और यह पता चला कि शाऊल स्वयं सन्दूक बाहर लाएगा और उसे युद्ध के लिए बाहर ले जाएगा। तो शमूएल की पुस्तक में ही, वे वास्तव में युद्ध में सन्दूक लेकर फिर से ऐसा करते हैं।

मुझे लगता है कि इस विचार के साथ समस्या यह है कि आपके पास भगवान एक बक्से में बंद है। क्या कभी किसी ने रेडर्स ऑफ़ द लॉस्ट आर्क देखा है? अचानक आप सन्दूक खोलते हैं और हर किसी का चेहरा पिघल जाता है, यह विशेष प्रभाव है, इंडियाना जोन्स शैली। तो क्या होने वाला है, वे सन्दूक बाहर लाते हैं, और उन्हें लगता है कि उन्हें इस बक्से में भगवान मिल गया है। अगर हम

इस बक्से को बाहर लाएंगे तो भगवान को हमारे लिए लड़ना होगा क्योंकि भगवान हमारी तरफ हैं। हमने भगवान को इस बक्से में कैद कर लिया है। भगवान इस बक्से में हैं, इसलिए भगवान को हमारी तरफ होना चाहिए। मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि क्या ईश्वर इस बक्से में कैद है? और जवाब नहीं है।

मुझे कभी-कभी आश्चर्य होता है, हममें से कितने लोग, जिनमें मैं भी शामिल हूँ, भगवान के बारे में सोचते हैं जैसे कि बॉक्स में, लेकिन अब जब भगवान हमारे दिमाग के बॉक्स में हैं, तो भगवान हमारे पक्ष में हैं? क्या हम हमेशा इस बात की गारंटी दे सकते हैं कि ईश्वर हमारे पक्ष में है? भगवान किसकी तरफ है? क्या ईश्वर ईश्वर के पक्ष में है? तुम जानते हो कि मैं क्या कह रहा हूँ? इसलिए हम भगवान के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकते, मुझे लगता है कि हम सहज हो जाते हैं और हम बक्से बनाते हैं जिसमें हम भगवान को अपने दिमाग में रखते हैं, और हम अपने दिमाग में भगवान के साथ सहज हो जाते हैं। हम ईश्वर के बारे में एक निश्चित तरीके से सोचते हैं और हम इसके बारे में सहज हो जाते हैं। यह एक कारण है कि मुझे यह कक्षा पसंद है क्योंकि हर कोई प्यारे-प्यारे भगवान का आदी है जो ऊपर स्वर्ग में है और हर किसी से प्यार करता है और उनके जीवन के लिए एक अद्भुत योजना है। ईश्वर दयालु, अच्छा और दयालु है, और फिर आप लोग पुराना नियम पढ़ते हैं। अचानक यह “वाह! भगवान क्या कर रहे हैं? उसने बस उन लोगों को धूम्रपान किया है।” आपको जमीन खुल गई है और आप कहते हैं, “पवित्र गाय।” क्या यह वास्तव में पुराने टेस्टामेंट से नए टेस्टामेंट में एक अलग भगवान है? या यह एक ही भगवान है? फिर अचानक, आप सोचते हैं कि शायद यह एक अलग भगवान है। मुझे यह पाठ्यक्रम पसंद है क्योंकि यह आपको यह देखने की अनुमति देता है कि भगवान कैसे टूटता है बॉक्स का। यह इस अच्छे छोटे अमेरिकी लवी-डोवे टेडी बियर में फिट नहीं बैठता है जो हमें स्वर्ग में मिला है। अचानक आपको एहसास होता है, भगवान एक वास्तविक भगवान है, न्याय नाम की एक चीज है। वहाँ एक है पवित्रता कहलाने वाली चीज़। ये चीज़ें मायने रखती हैं और बड़ी चीज़ें घट रही हैं और वे सभी अच्छी नहीं हैं। ऐसा कहने के लिए भगवान हमेशा हमारे पक्ष में नहीं है। मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक खतरनाक गलती है। इसलिए भगवान को बॉक्स से बाहर निकालना मुझे लगता है कि हमारा दिमाग, एक ही तरह की

सोच से पीड़ित है।

जे. जहाज़ पर पलिशियों ने कब्ज़ा कर लिया है [30:23-32:26]

क्या होता है? सन्दूक को अध्याय 4 पद 18 में कैद किया गया है। होप्पी और पीनहास, एली के दो लड़के, युद्ध में मारे गए। इस प्रकार एली के दोनों पुत्र युद्ध में मारे गए, और एक दूत अपेक से शीलो तक दौड़ा। एली एक बूढ़ा आदमी है, वह युद्ध में नहीं जा रहा है और वह स्पष्ट रूप से भारी भी है। वे एली के पास आते हैं और दूत उसे यह बताता है, अध्याय 4 श्लोक 18 में, "जब उसने परमेश्वर के सन्दूक का उल्लेख किया, तो एली फाटक के किनारे अपनी कुर्सी से पीछे गिर गया, उसकी गर्दन टूट गई और वह मर गया।" वह बूढ़ा और भारी व्यक्ति था और उसने चालीस वर्षों तक इस्राएल का नेतृत्व किया था।" क्या एली सचमुच एक बुरा इंसान था? मैं कहना चाहता हूँ, एली कोई बुरा इंसान नहीं था, वह अपने बेटों के मुकाबले एक कमजोर पिता लगता है। उनके बेटे कुछ बहुत बुरे काम कर रहे थे और उन्हें रोकना चाहिए था और उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने 40 वर्षों तक इज़राइल का नेतृत्व किया। उसके बेटे मर जाते हैं। क्या यही समस्या है? क्या पिता को हमेशा बच्चों से पहले मरना चाहिए? यही प्राकृतिक क्रम है। दूसरे शब्दों में, पिता की मृत्यु पहले होती है। इसी सिलसिले में एक साल पहले इसी कमरे में मुझे इसका सामना करना पड़ा था, मेरा बेटा अफगानिस्तान में था। मैंने उन्हें व्याख्यान पर व्याख्यान दिया, और मैंने उनसे कहा कि पहले कौन मरता है? मैंने उससे कहा कि बूढ़ा आदमी पहले मरता है, है ना? इसलिए वहां कुछ हीरो बनने के बारे में कोई विचार मत पालिए। मैं चाहता हूँ कि तुम जीवित वापस आओ। बूढ़ा आदमी पहले जाता है। वह मैं हूँ, वह नहीं। क्या किसी माता-पिता को वास्तव में दुख होता है जब उनका बच्चा मर जाता है? तुम जानते हो कि मैं क्या कह रहा हूँ? यह ऐसा है जैसे माता-पिता को पहले मरना चाहिए, ऐसा ही होना चाहिए। पिछले साल हम वास्तव में इससे जूझ रहे थे। वह वापस आ गया, अब वह अमेरिका वापस आ गया है। उसे अपने अंग मिल गए हैं, उसके कई दोस्त इस तरह वापस नहीं आए। उनमें से कई तो वापस ही नहीं आये, ख़ैर वे वापस आये लेकिन एक डिब्बे में और उससे भी बदतर।

के. इचबॉर्ड [32:27-35:37]

लेकिन वैसे भी, यहाँ यह दिलचस्प है, एली अपने बेटों के बारे में सुनता है, और उसकी कोई

बड़ी प्रतिक्रिया नहीं होती है, लेकिन जब वह जहाज़ के बारे में सुनता है, तो वह पीछे की ओर गिर जाता है। अतः पिता और पुत्र एक ही दिन मर जाते हैं। तो एली अब दृश्य से बाहर है। अब कौन संभालेगा कमान? कौन कार्यभार संभालने को तैयार है? एली घटनास्थल से बाहर है, उसके सभी बेटे चले गए हैं। खैर, हमारे पास एक छोटा लड़का है जिसे पहले हमें यहां लाना होगा। उसका नाम इचबॉर्ड है। जैसे ही मैं इचबॉर्ड कहता हूँ, आप अगला शब्द क्या सोचते हैं? इचबॉर्ड केन...हाँ, हर कोई ऐसा सोचता है। इचबॉर्ड. यह पता चला कि जब पीनहास युद्ध के लिए गया था तब उसकी पत्नी गर्भवती थी। क्या ऐसा अक्सर होता है, जहां लड़के युद्ध के लिए चले जाते हैं, लड़की गर्भवती हो जाती है और लड़का युद्ध के लिए चला जाता है? लड़का मारा जाता है, अब बच्चे का कोई पिता नहीं है। मेरा मतलब है, क्या अब यहाँ अमेरिका में ऐसा होता है? हाँ। इसलिए पीनहास चला गया, और पीनहास मारा गया। तब पत्नी को एक लड़का होता है लेकिन होता यह है कि बच्चे के जन्म के दौरान माँ की भी मृत्यु हो जाती है। वैसे, प्राचीन दुनिया में क्या महिलाएं प्रसव के दौरान मर जाती थीं? यह उचित था, मैं अति-सामान्य नहीं कहना चाहता, लेकिन यह काफी सामान्य था। अमेरिका में, अब, यह उतनी समस्या नहीं है, लेकिन प्राचीन दुनिया में, प्रसव के दौरान बहुत सी महिलाओं की मृत्यु हो जाती थी [सीएफ। राहेल]। इसलिए वह प्रसव के दौरान मर जाती है, अब उसकी मृत्यु हो रही है, नर्स कहती है, "निराश मत हो, तुमने एक बेटे को जन्म दिया है, और उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी या कोई ध्यान नहीं दिया।" वह मर रही है. "और उसने लड़के का नाम इचबॉर्ड रखा।" *इच का* अर्थ है "नहीं।" *चाबोर्ड का* अर्थ है "महिमा।" "कोई गौरव की बात नहीं है।" "महिमा चली गई है।" इसलिए वह इस बच्चे का नाम रखती है, "महिमा चली गई।" क्या आप देखते हैं कि यहाँ भी एक प्रकार का द्विअर्थी अर्थ है? महिमा विदा हो गई है; क्या उसका मतलब यह है कि उसका पति युद्ध में मारा गया? शायद। उसका पति युद्ध में मारा गया, यश चला गया। क्या महिमा भी इस अर्थ में चली गई है कि सन्दूक पलिशियों के हाथ से खो गया है? भगवान की महिमा हटा दी गई है। तो यह यहाँ चीजों पर दोहरा खेल है। महिमा चली गई, जिसका अर्थ है उसके पति की मृत्यु, लेकिन इसका अर्थ यह भी है कि सन्दूक खो गया है और यह संभवतः अधिक महत्वपूर्ण है।

जब मैं छोटा बच्चा था, मैं एक वास्तविक रूढ़िवादी कट्टरपंथी बैपटिस्ट चर्च में गया था। क्या आप में से कोई कभी ऐसे चर्च में गया है जहाँ पादरी को बाहर निकाल दिया गया हो? इसलिए वे इस

पादरी को बाहर निकालने की प्रक्रिया में हैं और यह काफी तीव्र होता जा रहा है, पादरी फिर उपदेश देता है और वह सभी को चर्च से बाहर निकाल देता है। चर्च में लगभग 300 लोग हैं और सभी लोग चर्च के पास सड़क पर हैं और वह उनके सामने खड़ा है और कहता है, "वे दस वर्षों में इस चर्च पर इचबॉर्ड लिखने जा रहे हैं।" अब, उसका इससे क्या मतलब था? महिमा विदा हो गई. वह इस चर्च के खत्म होने का आह्वान कर रहे थे। यदि आप मुझे बाहर निकाल देंगे, तो यह पूरा चर्च गिर जायेगा क्योंकि मैं महान हूँ। शायद यह अच्छा है कि उन्होंने उससे छुटकारा पा लिया, लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह वास्तव में अहंकारी है, "वे इस चर्च पर इचबॉर्ड लिखने जा रहे हैं।" आप बस अहंकार को आते हुए देख सकते हैं। चाहे चर्च सही हो या ग़लत, इस मामले में उन्होंने जो किया वह संभवतः सही था।

एल. पलिशती और सन्दूक [35:37-41:38]

अब, क्या होता है? पलिशतियों को सन्दूक मिल गया। सन्दूक के साथ क्या सौदा है? खैर, जहाज़ के साथ एक समस्या होने वाली है। मैं अब परिचय देना चाहता हूँ, अगर मैंने आपको "पेंटापोलिस" शब्द कहा, तो यह एक ग्रीक शब्द है, "पेंटापोलिस।" पेंटा का अर्थ है "पाँच", पेंटागन की तरह, पेंटा का अर्थ है "पाँच"। पोलिस का मतलब क्या है? शहर। तो आपके पास एक पेंटापोलिस है, ये पाँच शहर हैं। ये पलिशतियों के पाँच नगर हैं और ये आज तक प्रसिद्ध स्थान हैं। अगर मैं यहां इसकी ओर इशारा करूँ तो यह गाजा है। आप सभी ने गाजा के बारे में सुना है, गाजा पट्टी जिसके साथ इज़राइल को बहुत परेशानी हुई है। इस्राएल के साथ आज तक बहुत युद्ध चल रहा है, अशदोद, अशकलोन, गत, गाजा और एक्रोन अन्य हैं। ये पाँच प्रसिद्ध पलिशती नगर हैं। मैं बस आपको एक नक्शा दिखाना चाहता हूँ। वैसे आप लोग इन मैप्स को PowerPoint पर डाउनलोड कर सकते हैं। यहाँ भूमध्य सागर है. जोप्पा वह जगह है जहां आज तेल अवीव है। तो यह तेल अवीव है। हमारा पहला स्थान एक्रोन है। लड़ाई यहीं अपेक में हुई थी। यहीं पर सन्दूक पर कब्ज़ा किया गया था। वे यहाँ अपेक को आये और पलिशतियों ने सन्दूक पर कब्ज़ा कर लिया। वे सन्दूक को इस दिशा में पाँच पलिशतियों के नगरों में ले गए। एक्रोन एक शहर है. गैथ अगला है. वैसे, आप सभी गैथ के नाम से किसी को जानते हैं। वह वास्तव में एक बड़ा आदमी था: गत का गोलियथ। गोलियत गत से था, और वही गोलियत का गृहनगर था। ये दो (गत और एक्रोन) हैं, ध्यान

दें कि ये इज़राइल के करीब हैं, पहाड़ों की ओर। वे अभी भी मैदानी इलाकों में हैं लेकिन वे पहाड़ों के करीब हैं।

फिर तट के पास तीन लोग हैं। दो आंतरिक और तीन तट के बाहर। पहला है अशदोद। अशदोद यहाँ है, यहाँ से कुछ रेत गुज़र रही है। अब जब तुम देखो कि अशकलोन कहाँ है, अशकलोन कहाँ है? क्या यह तट पर ठीक है? अशकलोन यहीं तट पर है, आप भूमध्य सागर के बारे में क्या जानते हैं? यदि आप इज़राइल जाते हैं, तो आप यहीं तैराकी करना चाहेंगे। इसमें खूबसूरत सफेद समुद्र तट हैं, पानी लगभग 72 डिग्री है। यह न्यू इंग्लैंड की तरह नहीं है, आपको पानी की आदत डालने की ज़रूरत नहीं है। आप अंदर चलते हैं और यह एकदम सही तापमान है, और लहरें अंदर आ रही हैं और आप बॉडी सर्फ कर सकते हैं। वैसे, बोस्टन क्षेत्र एशकेलॉन से जुड़ा हुआ है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने कई वर्षों तक यहां पलिश्टी अवशेषों की खुदाई की है, हार्वर्ड में स्टैगर ने एशकेलोन में लंबे समय तक खुदाई की है। यह आपको एक तरह से घर की याद दिलाता है। एकमात्र समस्या यह है कि हार्वर्ड, मुझे लगता है, एस्केलॉन के बारे में मेरी आखिरी याद यह थी कि हार्वर्ड इससे बच गया था। मुझे लगता है कि शिकागो के पश्चिम में एक कॉलेज ने इसे उठाया। कुछ स्कूल, मैं उनका नाम बताना पसंद नहीं करता लेकिन यह व्हीटन कॉलेज है। मुझे लगता है कि जॉन मॉन्सन और व्हीटन कॉलेज ने हार्वर्ड से कार्यभार संभाला है और एशकेलॉन में उत्खनन कर रहे हैं। इसलिए यदि आप तैरने के लिए तट पर एक खूबसूरत जगह चाहते हैं, तो आपको केवल गाजा से आने वाली मिसाइलों से सावधान रहना होगा, लेकिन यह एक अलग कहानी है, क्षमा करें। गाजा यहाँ नीचे है। तो क्या आप देखते हैं, यह गाजा, अशकलोन, अशदोद है। वे तीनों तट पर हैं।

यहाँ से सीधे क्या आता है? पलिश्टी अपने नगरों को यहाँ बसाने के लिए इतने प्रतिभाशाली क्यों थे, क्योंकि यहाँ इस सड़क पर क्या आ रहा है। यह सड़क कहाँ से आती है? यहाँ नीचे दक्षिण में क्या है? मिस्र। क्या मिस्र प्राचीन विश्व की रोटी की टोकरी है? मिस्र अपना सारा सामान मेसोपोटामिया तक भेजने जा रहा है। वे ठीक इसी सड़क पर आने वाले हैं। जब आपके पास इस सड़क पर शहर हैं, तो क्या इसका मतलब पैसा है? हाँ। दूसरे शब्दों में, लोग चीज़ें भेजते हैं। क्या आपमें से कोई न्यूयॉर्क से है? आपको यह न्यूयॉर्क में मिला, आपने एक टोल बूथ स्थापित किया। टोल बूथ से आप पैसा कमाते हैं। तो उन्हें जो मिला है वह यह है कि यहां टोल बूथ खुल रहे हैं और

इससे पलिशतियों को व्यापार के माध्यम से ढेर सारा पैसा मिलने वाला है [सिर्फ मजाक कर रहा हूं]। मोटे तौर पर मिस्र से आने वाली कोई भी चीज़ यहीं आ जाएगी। इसे वाया मैरिस या तटीय राजमार्ग कहा जाता है। यह तटीय राजमार्ग रूट 95 है। यह यहीं तक आता है। यह मेसोपोटामिया की एक प्रमुख सड़क है। तो पलिशती इस पर सही हैं और इसलिए उन्हें मेसोपोटामिया और मिस्र से आने-जाने वाले सभी व्यापार से लाभ होगा। पलिशतियों ने पैसा कमाया। इसलिए वे बहुत अच्छी जगह पर हैं।

मैं भी जब कभी गाजा देखता हूं तो मुझे याद आता है कि मेरी एक यहूदी साथी से बात हुई थी और उसने मुझे गाजा जाने के लिए कहा था। मैं येरूशलम में था और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उन्होंने मुझे गाजा जाने के लिए क्यों कहा। मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रहा था कि ऐसा क्यों है; मैंने उस आदमी से कहा कि मैं गाजा नहीं जाना चाहता, मैं येरूशलेम में हूं, मैं गाजा क्यों जाना चाहूंगा? फिर मैंने इधर-उधर पूछा और कहा, यह वाकई अजीब था कि वह आदमी चाहता था कि मैं गाजा जाऊं लेकिन यह क्या है? गाजा वास्तव में बहुत गर्म जगह मानी जाती है। वह व्यक्ति वास्तव में मुझे भौतिक गाजा जाने के लिए नहीं कह रहा था; वह मुझसे दूसरी जगह जाने के लिए कह रहा था जो बहुत, बहुत गर्म है। मुझे कुछ पता नहीं था, मैं यह समझने की कोशिश कर रहा था कि गाजा से उनका क्या मतलब है। मैं गाजा नहीं जाना चाहता क्योंकि वह मुझे जाने के लिए कह रहा था। मुझे एक और शब्द, " शीओल " का उपयोग करने दीजिए। वह मुझसे अंग्रेजी में कह रहा था कि कौन सी जगह खराब होगी। ऐसा करने के लिए वे गाजा का उपयोग करते हैं, यह एक व्यंजना है जब आप किसी को बताते हैं कि कहां जाना है, तो आप उन्हें गाजा जाने के लिए कहते हैं। लेकिन क्या हर भाषा में ऐसे मुहावरे होते हैं? लोग जानते हैं कि उनका क्या मतलब है, लेकिन अगर आप बाहरी व्यक्ति हैं तो आपको इसे समझने की कोशिश करनी होगी। इसका गाजा से कोई लेना-देना नहीं है, उस आदमी ने आपको सिर्फ शीओल जाने के लिए कहा था ।

एम. पलिशती और जहाज़ [41:39-45:47]

इसलिये पलिशतियों ने सन्दूक पर अधिकार कर लिया। यह अध्याय 4, 5, और 6 में है। वे सन्दूक को अपने शहर में लाते हैं, और उन्होंने सन्दूक को दागोन देवता के सामने स्थापित किया। डैगन को मूल रूप से मछली का देवता माना जाता था लेकिन यह सही नहीं है; यह शायद या तो

अनाज का देवता है या उर्वरता का देवता है। लेकिन भगवान तो पत्थर के बने हैं। उन्होंने सन्दूक को इस देवता के सामने रख दिया, और क्या हुआ? बूम... भगवान गिर जाता है, नीचे गिर जाता है। लोग क्या करते हैं? लोग अंदर आते हैं और उनका देवता सन्दूक के सामने लगभग झुक जाता है। इसलिए वे अपने भगवान को उठा लेते हैं। आप उन्हें भगवान के पैरों में कुछ कीलें ठोकते हुए देख सकते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह सीधे खड़े हों। क्या आपको यह विडंबना समझ में आती है कि लोगों को अपना भगवान स्थापित करना पड़ता है? उन्होंने अपना भगवान स्थापित कर लिया, और फिर क्या हुआ? वे अगले दिन आते हैं, और भगवान अब गिर चुके हैं, और वह इतनी जोर से गिरे कि सिर गिर गया और हाथ भी फट गए। तो उनके पास केवल इस देवता का धड़ है जो सन्दूक के सामने इस लगभग पूजनीय स्थिति में भगवान के सामने झुका हुआ है।

तो, सन्दूक के साथ क्या होता है? अब अन्य समस्याएँ भी हैं जो जहाज़ के साथ आती हैं, विपत्तियाँ। जहाँ भी सन्दूक ले जाया जाता है, लोग प्लेग से मरने लगते हैं, और पलिशती शहर-दर-शहर मरने लगते हैं। तो वे जो करना शुरू करते हैं वह जहाज़ भेजना है, वे इसे एक शहर से दूसरे शहर तक यूपीएस करते हैं, लेकिन जहाँ भी यह जाता है, लोग मर रहे हैं। तो अंततः पलिशतियों ने कहा, "हमें इस जहाज़ से छुटकारा पाना होगा, यह हमें मार डालेगा!" तो पलिशतियों ने कहा, हम सन्दूक को किस प्रकार लौटाएंगे? अध्याय 6 पद 4 में पलिशती पूछते हैं, "हम उन्हें क्या दोषबलि भेजें?" उन्होंने उत्तर दिया, पलिशती हाकिमों की गिनती के अनुसार पाँच सोने की गिलटियाँ, और पाँच सोने के चूहे। दूसरे शब्दों में, पाँच, पाँच सुनहरे ट्यूमर क्यों? पाँच सुनहरे चूहे क्यों? फ़िलिस्तीन पेंटापोलिस में पाँच शहरों के पाँच शासक हैं, इसलिए उनमें से प्रत्येक ने एक सुनहरा चूहा और एक सुनहरा ट्यूमर बनाया है।

वैसे, क्या आपको यह भी याद है कि उन्होंने बछड़ों के साथ क्या किया था? उन्होंने उन गायों को लिया जिनके बछड़े थे, और उन्होंने बछड़ों को उस गाड़ी से बाँध दिया जो सन्दूक खींच रही थी। सामान्यतः बछड़े क्या करेंगे? यदि तुम्हारे पीछे गौ माता है तो बछड़े कहाँ जायेंगे? क्या बछड़े अपनी माँ के पास वापस जायेंगे? हाँ। पलिशतियों ने कहा, "हम देखेंगे कि यह सचमुच परमेश्वर की ओर से है या नहीं। यदि वे बछड़े पहाड़ पर चढ़कर यरूशलेम को जाएं, और पहाड़ों पर चढ़कर यहूदियों के पास लौट आएँ; तब हम जान लेंगे कि यह परमेश्वर की ओर से है; लेकिन अगर गाड़ी पलट

जाए, तो हमें पता चल जाएगा कि कोई बड़ी बात नहीं है।” सोचो उन बछड़ों के साथ क्या होता है? *ज़ूम करें*, सीधे बेट शोमेश तक - सीधे इज़राइल क्षेत्र में। फिर वे उन बछड़ों को प्रभु को बलि चढ़ाते हैं।

लेकिन सुनहरे ट्यूमर क्यों और सुनहरे चूहे क्यों? ऐसा माना जाता है कि इसे ही "सहानुभूतिपूर्ण जादू" कहा जाता है। लोगों का मानना था कि चूहे और ट्यूमर महामारी का कारण बनते हैं। आप इसे चूहों और ट्यूमर से क्या जोड़ते हैं? हाँ, ब्यूबोनिक प्लेग, काली मौत। तो ऐसा माना जाता है कि उन्होंने उन ट्यूमर के मॉडल बनाए जो उन्हें मार रहे थे और उन्होंने पता लगाया कि यह चूहों द्वारा किया गया था। इसलिए उन्होंने फिर ये मॉडल बनाए और मॉडलों को भेज दिया। यदि आप मॉडलों को दूर भेज देते हैं, तो इसका मतलब है कि बीमारी दूर हो जाएगी। यह एक तरह से वूडू की तरह है जहां आप एक गुड़िया लेते हैं और आप एक गुड़िया को सुइयों से चिपका देते हैं और यह गुड़िया एक व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आप गुड़िया के साथ कुछ बुरा करते हैं तो यह वास्तविक व्यक्ति के साथ होता है। क्या तुम लोगों ने कभी उस तरह की चीज़ के बारे में सुना है? तो मुझे लगता है कि यह वही बात है। उन्होंने परमेश्वर का सम्मान करने के लिए सोने से बने पांच ट्यूमर भेजे। वे चूहों को दूर भेज देते हैं और आशा करते हैं कि बीमारी उन्हें छोड़ देगी। तो सन्दूक चला जाता है, और पांच पलिशती शहरों ने सहानुभूतिपूर्ण जादू किया।

एन. एबेनेज़र और सैमुअल की पहली जीत [45:48-51:08]

अब, इज़राइल को सन्दूक वापस मिल गया है। लेकिन एली मर चुका है। होफनी और फिनीस मर चुके हैं। सैमुअल ने कार्यभार संभाला। नए नेता के रूप में उन्हें सबसे पहले क्या करना होगा? सैमुअल को जीत हासिल करनी होगी। इसलिए अध्याय 7 में, सैमुअल ने सत्ता संभाली और उसने एबेनेज़र नामक स्थान पर अपनी पहली जीत हासिल की। वह एक पत्थर स्थापित करता है - एबेनेज़र। क्या कोई "ईज़र" शब्द देख सकता है? क्या किसी को याद है कि हमने पहले *ईज़र के बारे में बात की थी?* फिर हमने क्या कहा? क्या किसी को उत्पत्ति में याद है, ईव एडम की "सहायक" होगी। "मदद का पत्थर," इस्राएल का मदद का पत्थर कौन है? परमेश्वर इस्राएल का एज़ेर है। इसलिए शमूएल ने उन्हें एबेनेज़र में छुड़ाने के लिए परमेश्वर का सम्मान करते हुए इस पत्थर को स्थापित किया। यह वास्तव में अच्छा है, शमूएल ने कहा, "सारे इस्राएल को मिस्पा में

इकट्टा करो , और मैं तुम्हारे लिये यहोवा से प्रार्थना करूंगा। और इसलिए उन्होंने उपवास किया और कबूल किया, 'हमने प्रभु के विरुद्ध पाप किया है।' क्या शमूएल एक अच्छा नेता है? वह अपने लोगों से लड़ने से पहले कबूल करवाता है। "तब उन्होंने शमूएल से कहा," अध्याय 7 की आयत 8, "हमारे लिए हमारे परमेश्वर यहोवा की दोहाई देना न छोड़, ताकि वह हमें पलिशितियों के हाथ से बचा सके।" इसलिए वे युद्ध के लिए बाहर जा रहे हैं, जब वे युद्ध के लिए निकलेंगे तो शमूएल प्रार्थना में होगा। वह उनके लिए मध्यस्थता करने जा रहा है। वे युद्ध करने जाते हैं और वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है, यह तुम्हें किसकी याद दिलाता है? हाँ, क्या किसी को मूसा को इसी तरह याद है? मूसा लोगों के लिए मध्यस्थता कर रहा है।

हालाँकि, अब यह एक समस्या लेकर आता है। यदि आप अध्याय 7 श्लोक 12 से देखें, तो यह बताता है कि सैमुअल ने उस स्थान का नाम एबेनेज़र कैसे रखा। वहाँ एक समस्या है क्योंकि अध्याय 5 में, दो अध्याय पहले, यह कहा गया है, "पलिशितियों ने परमेश्वर के सन्दूक पर कब्ज़ा करने के बाद, इसे एबेनेज़र से अशदोद ले गए।" लेकिन मान लीजिए कि मैं बाइबल का आलोचक हूँ और एक बाइबल आलोचक कहता है, "एक मिनट रुकिए, आपके यहाँ बाइबल में विरोधाभास है!" बाइबल कहती है कि इसका नाम अध्याय 7 श्लोक 12 में रखा गया जब शमूएल ने उस स्थान का नाम एबेनेज़र रखा। लेकिन यहां आप दो अध्याय पहले वापस आ गए हैं, जो शायद, काफी पहले, वर्षों पहले है, और यहां अध्याय 5 पद 1 में इसे एबेनेज़र कहा जाता है। यह सही नहीं है, अध्याय 5 में इसे एबेनेज़र नाम नहीं दिया गया था, आपको करना होगा अध्याय 7 पद 12 तक प्रतीक्षा करें जब तक कि शमूएल इसका नाम एबेनेज़र न रख दे। तो यह बाइबल में एक विरोधाभास है और यह बाइबल में एक त्रुटि है। आलोचक इसी ओर इशारा करेंगे। इसका नाम अध्याय 7 श्लोक 12 में दिया गया है लेकिन फिर भी एबेनेज़र नाम का प्रयोग दो अध्याय पहले किया गया था। जाहिर तौर पर इतिहासकार भ्रमित हो गया है और यह एक विरोधाभास है; और यह बाइबिल में एक त्रुटि है।

क्या आप जानते हैं कि कालभ्रम क्या है? " क्रोनिज़्म " क्या आप वहां " क्रोनिज़्म " देख सकते हैं ? " क्रोनिज़्म ..." क्या कोई ग्रीक करता है? *क्रोनोस* "समय" है। "कालक्रम," आप लोग कहेंगे "कालक्रम" "समय" है। एनाक्रोनोलॉजी का अर्थ है कि यह सिंक से बाहर है; यह समय से बाहर है। इसे आप "अनाक्रोनिज़्म" कहते हैं। शमूएल की पुस्तक कब लिखी गई है? क्या सैमुअल

बहुत बाद में लिखा गया है? अध्याय 28 में सैमुअल की मृत्यु हो चुकी है, इसलिए यह सैमुअल के जीवनकाल के बाद लिखा गया है। यह बाद में लिखा गया है। आप यहां जो कर रहे हैं वह यह है कि जो व्यक्ति किताब लिख रहा है वह पीछे मुड़कर देख रहा है और वह उस स्थान को "एबेनेज़र" कहता है क्योंकि उसके समय में हर कोई इसे एबेनेज़र कहता है। तो ऐसा ही होगा। अगर मैंने आपसे कहा, चुड़ैलों, याद रखें कि हमारे पास सोलह नब्बे के दशक में सलेम मैसाचुसेट्स में चुड़ैलें थीं। और मैंने तुमसे कहा था, "चुड़ैलों को डेनवर तक ले जाया गया।" अब क्या आप सभी जानते हैं कि डेनवर कहाँ है? लिबर्टी ट्री मॉल। अब अगर मैं "डेनवर" कहूं तो हर किसी को पता चल जाएगा कि वह कहां है। प्रश्न: क्या मैंने सिर्फ एक विरोधाभास बनाया? हाँ, जब चुड़ैलों को वहाँ ले जाया गया था तो क्या उस समय इसे डेनवर कहा जाता था? नहीं, लेकिन अगर मैंने आपसे "सलेम गांव" कहा, तो कितने लोग सलेम गांव को जानते होंगे? लगभग कोई नहीं। तो मैं जो करता हूँ वह यह है कि मैं इसे इसके वर्तमान नाम से बुलाता हूँ ताकि आप लोग जान सकें कि यह कहां है। क्या हर समय इतिहास इसी तरह लिखा जाता है? आप इसे मूल नाम से नहीं बुलाते; अगर आप सलेम गांव कहें तो किसी को पता नहीं चलेगा कि यह कहां है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि यह कोई विरोधाभास नहीं है, यह सिर्फ एक आदमी है जो बाद में लिख रहा है, वह इसे वही कहता है जो उसके समय में हर कोई इसे कहता है: एबेनेज़र। फिर वह बताता है कि कैसे एबेनेज़र को इसका नाम बाद में मिला लेकिन वह इस शब्द का उपयोग पहले करता है। अब क्या यह एक बड़ा विरोधाभास है या क्या हम हर समय ऐसा करते हैं? हाँ। तो यह कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन आलोचक इस पर अड़ जाते हैं और कहते हैं, "ओह, देखा? बाइबिल में एक विरोधाभास है कि अध्याय 7 तक इसका नाम नहीं रखा गया था लेकिन वास्तव में इसका उपयोग अध्याय 4 और 5 में किया गया था।" आप कहते हैं, "शांत हो जाओ, यदि आपके पास यही एकमात्र विरोधाभास है तो आप मुसीबत में हैं।" तो, कालानुक्रमिकता, कुछ चीजें जब कोई व्यक्ति बाद में लिखता है तो वह उन नामों का उपयोग करने जा रहा है जिनसे वह परिचित है; वह उन्हें वापस कथा में रखने जा रहा है।

ओ. सैमुअल के बेटे और राजा की मांग [51:09-52:51]

तो, अब, समस्या क्या है? सैमुअल ने अपनी पहली जीत हासिल की, लेकिन अब सैमुअल को खुद एक समस्या है, और अध्याय 8 श्लोक 3 में कहा गया है, मुझे श्लोक 1 से शुरू करना चाहिए: “जब सैमुअल बूढ़ा हो गया तो उसने अपने पुत्रों को इस्राएल के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किया; उसके पहले पुत्र का नाम योएल और दूसरे का नाम अबिय्याह था, और वे बेशेबा में सेवा करते थे। परन्तु उसके पुत्र उसके मार्ग पर न चले; उन्होंने बेईमानी से लाभ उठाया, रिश्वत ली और न्याय बिगाड़ दिया।” जज को क्या नहीं करना था? एक न्यायाधीश को न्याय स्थापित करना था। दूसरी चीज़ जो एक न्यायाधीश को नहीं करनी चाहिए वह थी रिश्वत लेना। धन और न्याय का आपस में कोई संबंध नहीं था। उनके पुत्रों ने न्याय स्थापित करने की बजाय उसे विकृत कर दिया। उन्होंने न्याय को बिगाड़ दिया और रिश्वत ली। वह आखिरी बड़े जज हैं और वह अपने बेटों को जज बनाने की कोशिश करते हैं।

“तब इस्राएल के सब पुरनिये इकट्ठे होकर रामा में शमूएल के पास आए, और कहने लगे, हे शमूएल, तू बूढ़ा हो गया है, और तेरे बेटे तेरे मार्ग पर नहीं चलते। अब अन्य राष्ट्रों की तरह हमारा नेतृत्व करने के लिए एक राजा नियुक्त करें।” इस्राएल एक राजा को क्यों बुलाता है? वे एक राजा की मांग करते हैं क्योंकि सैमुअल के बच्चे अच्छे नहीं हैं। सैमुअल के बच्चे न्याय को बिगाड़ रहे हैं और रिश्वत ले रहे हैं। लोग उसके बेटों को देखते हैं और कहते हैं, “सैमुअल, तुम एक महान व्यक्ति हो। हमारे पास आपके खिलाफ कुछ भी नहीं है। आप एक धर्मात्मा व्यक्ति हैं; आप एक अच्छे इंसान हो। हालाँकि, आपके बच्चे सभी गड़बड़ हैं। हमें अपने ऊपर शासन करने के लिए एक राजा की आवश्यकता है।” इसलिए वे एक राजा को बुलाते हैं और इस तरह इज़राइल में राजत्व की शुरुआत होती है। यह शमूएल के पुत्रों की विफलता के कारण इस्राएल द्वारा राजा की मांग है।

पी. पिता और पुत्रों पर [52:52-57:31]

अब, आइए यहां पिता और पुत्रों पर थोड़ी समीक्षा करें। क्या एली स्वयं एक काफी धर्मात्मा व्यक्ति था? ऐसा प्रतीत होता है कि एली स्वयं काफी धर्मात्मा व्यक्ति है; मैं वहां एक प्लस लगाना चाहता हूं। उसे अपने बेटों को रोकना चाहिए था, लेकिन एली के बेटे, होप्पी और फिनीस बुरे निकले, इतने बुरे कि भगवान उन्हें बाहर निकाल देता है। एली कोई भयानक व्यक्ति नहीं था, वह कई मायनों में एक अच्छा व्यक्ति था, लेकिन उसके बेटे बुरे थे। क्या शमूएल अपने जीवन के सभी दिनों

में एक अच्छा ईश्वरीय व्यक्ति था? सैमुअल एक विजेता है. फिर भी उसके बेटे बहुत बुरे निकले। वे रिश्तत लेते हैं और न्याय बिगाड़ते हैं। तो क्या यह संभव है कि आप एक अच्छे पिता, एक अच्छे इंसान बनें और आपके बच्चे बुरे बनें? मैंने सोचा था कि अगर मैं आदर्श व्यक्ति होता, तो मेरे बच्चे अद्भुत होते, आप जानते हैं "सेब पेड़ से ज्यादा दूर नहीं गिरता।" क्या यह सदैव सत्य है?

इस लड़के के बारे में क्या, शाऊल? मैं तुम्हें यह दिखाने की कोशिश करने जा रहा हूँ कि शाऊल एक मूर्ख है, साफ़ शब्दों में कहें तो। शाऊल के सामने बड़ी समस्याएँ हैं। यह आदमी बेवकूफ़ है. वह बार-बार डेविड को मारने की कोशिश करता है। यह आदमी कई मायनों में भगवान के खिलाफ़ है। परन्तु मुझे शाऊल के पुत्र योनातान के विषय में बताओ? क्या जोनाथन स्वर्ण मानक है? दरअसल, जब मैं इस अरेंज मैरिज में अपनी बेटियों की शादी के लिए लड़कों की तलाश कर रही थी तो मेरे दिमाग में जोनाथन जैसे लड़कों की तलाश थी। मैं उम्मीद कर रहा था कि मेरी बेटियाँ जोनाथन जैसे किसी व्यक्ति से मिलेंगी, क्योंकि यह लड़का एक रत्न है। वैसे जोनाथन किसका सबसे अच्छा दोस्त था? वह डेविड का सबसे अच्छा दोस्त था - "पसंद पसंद को आकर्षित करती है।" जोनाथन एक अच्छा इंसान है। क्या जोनाथन अपने पिता से बेहतर है? उसके पिता को लोगों और डेविड को मारने की कोशिश में सभी प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा; जोनाथन एक रत्न है. तो यहाँ आपको एक बुरा पिता मिल गया है। क्या यह संभव है कि पिता बुरा हो और बच्चा महान निकले? हाँ।

अब डेविड के बारे में क्या? समस्या क्या है? क्या दाऊद परमेश्वर के हृदय के अनुसार व्यक्ति है? दाऊद परमेश्वर के हृदय के अनुरूप व्यक्ति है, लेकिन दाऊद को बतशेबा और ऊरिय्याह से समस्या थी। तो डेविड परिपूर्ण नहीं है. दाऊद का एक पुत्र सुलैमान है, और सुलैमान क्या निकला? प्राचीन इज़राइल के आइंस्टीन। वह अब तक जीवित सबसे बुद्धिमान व्यक्ति है। तो दाऊद के पास एक पुत्र का विजेता है, लेकिन दाऊद के दूसरे पुत्र अबशालोम के बारे में क्या? दाऊद के दूसरे पुत्र अबशालोम ने किसे मारने का प्रयास किया? असल में, तुम लोगों ने मुझे इसके लिए हरा दिया। वह अपने दूसरे भाई को मार डालता है और फिर अपने भाई अम्रोन को मारने के बाद वह किसे मारने की कोशिश करता है? अबशालोम अपने ही पिता दाऊद को मारने की

कोशिश करता है! फ्रायड सही था! वह अपने पिता को मारने की कोशिश करता है। अबशालोम अपने पिता को मारने की कोशिश करता है। अतः अबशालोम वास्तव में बुरा था।

इस पर मेरा निष्कर्ष यह है कि क्या प्रत्येक पीढ़ी को ईश्वर को स्वयं जानना होगा? मैं भगवान को जान सकता हूँ. फिर भी क्या मेरे बच्चे भगवान को फेंक सकते हैं? क्या प्रत्येक पीढ़ी को अपना स्वयं का व्यक्ति बनना होगा और काम करने का अपना तरीका रखना होगा? मैं और मेरा बेटा पिछली रात इसी पर चर्चा कर रहे थे। उसने मुझे चेतावनी दी. उन्होंने कहा, "पिताजी, जब मेरी पीढ़ी सत्ता के पदों पर आसीन होती है," वह कहते हैं, "आपको अपने जीवन के लिए डरना बेहतर होगा।" वह वास्तव में गंभीर था, मैंने सोचा "शांत हो जाओ, तुम लोग परिपक्व हो जाओगे। मुझे आशा है कि आपकी पीढ़ी हमारी तरह ही परिपक्व होगी / "वह वास्तव में नकारात्मक है और आश्वस्त नहीं था।

विद्यार्थी टिप्पणी: "भगवान के बच्चे हैं, लेकिन उनके कोई पोते-पोतियाँ नहीं हैं।"

ठीक है, मैं इसे दोहराने जा रहा हूँ, क्योंकि यह बहुत अच्छा है : "भगवान के बच्चे हैं; उनका कोई पोता-पोती नहीं है।" अब मैं वास्तव में इस बात से सहमत हूँ कि, हर पीढ़ी को अपने लिए ईश्वर को अपनाना होगा और स्वयं के लिए ईश्वर को जानना होगा। यह सचमुच महत्वपूर्ण है।

प्र. राजा के लिए आह्वान [57:31-62:13]

अब, वे कहते हैं कि हमें एक राजा चाहिए। क्या अध्याय 8 और उसके बाद अन्य राष्ट्रों की तरह शमूएल से राजा के लिए प्रार्थना करना इस्राएल के लिए गलत था? मुझे सिखाया गया कि इज़राइल गलत था क्योंकि वे "अन्य देशों की तरह" बनने की कोशिश कर रहे थे। इसलिए वे बस अन्य राष्ट्रों की तरह फिट होने और समझौता करने और बनने की कोशिश कर रहे थे और उनके लिए ऐसा मांगना गलत था। हालाँकि, यह गलत है। मूसा व्यवस्थाविवरण अध्याय 17 में है, अपने जीवन के अंत में वह व्यवस्थाविवरण की पुस्तक लिख रहा है। मूसा कहते हैं, "अन्य राष्ट्रों की तरह तुम्हारे पास भी एक राजा होगा," और वह बिल्कुल उन्हीं शब्दों का उपयोग करता है। "अन्य राष्ट्रों की तरह आपके पास भी एक राजा होगा।" व्यवस्थाविवरण से लेकर न्यायाधीशों के माध्यम से जोशुआ तक आगे बढ़ते हुए सभी लोग इस राजा के आने की उम्मीद कर रहे हैं। मूसा ने उनसे कहा कि उनका एक राजा होगा। क्या इस्राएल का कोई राजा होगा? आखिरकार, सारी राजसत्ता किसकी

ओर बढ़ रही है? इज़राइल का अंतिम राजा कौन है? डेविड! डेविड किसके पास जाता है? यीशु, कौन क्या है? दाऊद का पुत्र, इस्राएल का राजा। "और वह युगानुयुग राज्य करेगा।" तो संपूर्ण राजत्व की बात दाऊद के पास और फिर यीशु मसीह के पास, और मसीह के शासन के पास जा रही है जो इसराइल और दुनिया पर हमेशा के लिए शासन करेगा। तो इस राजत्व की स्थापना की कल्पना परमेश्वर की योजना में है। क्या यह कोई ग़लत बात है कि इस्राएल ने राजा की माँग की है? नहीं, मूसा ने कहा था कि उनके पास अन्य राष्ट्रों की तरह एक राजा होगा, और अब वे अन्य राष्ट्रों की तरह एक राजा के लिए अनुरोध कर रहे हैं जैसा कि मूसा ने कहा था।

अब मैं आपसे सहमत हूँ कि वे गलत उद्देश्यों से ऐसा कर रहे हैं। लेकिन उद्धरण यह है कि, दूसरे शब्दों में, उन्हें एक राजा की उम्मीद करनी थी और उन्हें व्यवस्थाविवरण 18 में मूसा जैसे भविष्यवक्ता की उम्मीद करनी थी। अब, इज़राइल के पास पुजारी थे, क्या अन्य राष्ट्रों के पास पुजारी थे? इस्राएल के पास याजक थे और अन्य राष्ट्रों के पास याजक थे। इसलिए उनके पास अन्य राष्ट्रों की तरह पुजारी थे। क्या अन्य राष्ट्रों के पास भविष्यवक्ता थे? हमने बालम और कुछ अन्य नबियों को देखा है। अन्य राष्ट्रों के पास भविष्यवक्ता थे, और अन्य राष्ट्रों की तरह इस्राएल के पास भी भविष्यवक्ता थे। क्या अन्य देशों में न्यायाधीश थे? अन्य राष्ट्रों की तरह, इज़राइल में भी न्यायाधीश थे। इसलिए उनके लिए अन्य राष्ट्रों की तरह राजा की उम्मीद करना सामान्य बात थी और मूसा ने उनसे यहां तक कहा था कि अन्य राष्ट्रों की तरह उनके पास भी एक राजा होगा।

जिस समस्या को सही ढंग से स्थापित करने की आवश्यकता है वह यह नहीं थी कि वे अन्य राष्ट्रों की तरह एक राजा चाहते थे, समस्या यह है: समस्या यह थी कि इस समय इज़राइल का राजा कौन था ? इस समय राजा भगवान थे। इसलिए अन्य राष्ट्रों की तरह एक राजा को बुलाने से, समस्या यह नहीं थी कि उन्होंने एक राजा को बुलाया क्योंकि भगवान ने उनसे कहा था कि उन्हें एक की उम्मीद करनी थी, समस्या यह थी कि वे भगवान के बदले में और भगवान को अस्वीकार करते हुए दूसरे राजा को बुला रहे थे। .

क्या ईश्वर में भावनाएँ होती हैं? मैं यहां एक कविता पढ़ना चाहता हूँ; क्या भगवान की भावनाएं आहत हुईं? इसे देखें: अध्याय 8, श्लोक 7; श्लोक 6 से शुरू करें: "और जब उन्होंने कहा, 'हमारी अगुवाई करने के लिये एक राजा दो,' तो इससे शमूएल अप्रसन्न हुआ। इसलिए उसने प्रभु से

प्रार्थना की।" वैसे, क्या सैमुअल को चोट लगी है? उसके बच्चे अच्छे नहीं थे, है ना? उसके बच्चे बुरे थे. तो वे आते हैं और कहते हैं, "अरे, सैमुअल, हम तुम्हारे बच्चे नहीं चाहते; हम एक राजा चाहते हैं।" क्या इससे सैमुअल को ठेस पहुंचेगी? सैमुअल को अस्वीकृति महसूस होने वाली है; अपने परिवार को अस्वीकार करना. अतः शमूएल यहोवा से प्रार्थना करने जाता है, और यहोवा इस प्रकार उत्तर देता है; इसे जांचें, यह सुंदर है: "और प्रभु ने उससे कहा, सुनो कि सभी लोग तुमसे क्या कह रहे हैं। यह आप नहीं हैं [सैमुअल] जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया है। परन्तु उन्होंने मुझे अपने राजा के रूप में अस्वीकार कर दिया है।" "लेकिन उन्होंने मुझे अपने राजा के रूप में अस्वीकार कर दिया है" यही मुद्दा है। क्या सैमुअल को अस्वीकार महसूस करना चाहिए, भगवान का कहना है, सैमुअल, अस्वीकृति महसूस न करें। यह आप नहीं हैं जिन्हें वे अस्वीकार कर रहे हैं, यह मैं हूँ। यह भगवान का एक बहुत मजबूत बयान है। वह उसे एहसास होता है कि उसके लोग नहीं चाहते कि वह अब उनका राजा बने। मुद्दा यही है। तो यह एक खूबसूरत कविता है जहां आप भगवान के अंदर देख सकते हैं।

आर. शाऊल और भविष्यवक्ता/द्रष्टा सैमुअल [62:14-66:23]

अब वे बाहर जाएंगे और राजा बनाएंगे। उन्हें मिलने वाला पहला राजा कौन है? शाऊल. शाऊल रामा क्षेत्र से बाहर आता है, और शाऊल क्या कर रहा है? अध्याय 9 में शाऊल अपने पिता के गधों का पीछा कर रहा है। वह इन गधों को ढूंढने की कोशिश में पहाड़ियों पर घूम रहा है, और अंत में उसका नौकर कहता है, "अरे, देर हो रही है हम काफी समय से यहां हैं, हमें इन गधों को ढूंढना है।" वह आदमी कहता है, "ठीक है, मुझे पता है कि यहाँ एक साधु है जिसके पास हम जा सकते हैं और वह हमें बताएगा कि गधे कहाँ हैं ताकि हम उन्हें ढूंढ सकें।" तो अध्याय 9, श्लोक 9 में, यह कहता है, "सेवक ने उससे फिर कहा। 'देखो,' उसने कहा, 'मेरे पास एक चौथाई शेकेल चाँदी है। मैं इसे परमेश्वर के आदमी को दे दूँगा ताकि वह ऐसा करे।" हमें बताएं कि कौन सा रास्ता अपनाना है।' पूर्व में इज़राइल में, यदि कोई ईश्वर से पूछने जाता था, तो वे कहते थे, 'आओ, हम द्रष्टा के पास चलें,' - यह वह शब्द है *रोएह*, द्रष्टा, वह शब्द महत्वपूर्ण है - "क्योंकि पैगंबर - *नबी* - आजकल द्रष्टा कहा जाता था।"

अब उस श्लोक के साथ क्या हो रहा है? मुझे इसे थोड़ा सा विकसित करने दीजिए। उन्होंने कहा जिसे हम आज *नबी कहते हैं* [पैगंबर], उन दिनों में जब शाऊल अपने पिता के गधों का पीछा कर रहा था, उसे "द्रष्टा" कहा जाता था। यह हमें 1 शमूएल की पुस्तक के लिखे जाने की तारीख के बारे में क्या बताता है? यहोशू की पुस्तक में, क्या यहोशू द्वारा जॉर्डन नदी को पार करने और जेरिको की दीवारों को गिराने की घटनाएँ लगभग तुरंत दर्ज की गईं? वे वहाँ "आज तक" हैं, "आज तक" कौन जीवित है जब जोशुआ की किताब वास्तव में लिखी गई थी? राहब वेश्या। यहोशू कहता है, "अरे, तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं है, जाकर उससे पूछो, वह अभी भी जीवित है। मैंने जो कुछ भी यहाँ लिखा है उसकी पुष्टि तुम कर सकते हो। वेश्या राहब और बहुत से लोग जो जॉर्डन नदी पार कर गए थे, वे अभी भी जीवित हैं जीवित, उनसे बात करो।" तो ऐतिहासिक घटनाएँ यहाँ थीं और लेखन इसके ठीक बगल में था। यह उसी पीढ़ी के भीतर लिखा गया था जैसा कि वर्णित घटनाओं का है।

अब 1 शमूएल में क्या बातें तुरंत लिखी गईं? क्या सैमुअल ने शायद नोट्स लिए होंगे? क्या सैमुअल के पास शायद एक डायरी थी, सैमुअल का इतिहास? हाँ, उसने शायद ऐसा किया था। लेकिन क्या यह किताब इतने बाद में लिखी गई कि इसकी भाषा ही बदल गई। "आज के भविष्यवक्ता को द्रष्टा कहा जाता था।" क्या समय के साथ भाषा बदलती है? लेकिन, क्या भाषा बदलने में समय लगता है? तो मैं यहाँ जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि 1 सैमुअल की घटनाएँ यहाँ हैं, लेकिन पुस्तक का लेखन बहुत बाद में हुआ है। अब कभी-कभी घटनाएँ घटित हो जाती थीं और तुरंत लिख ली जाती थीं। यहाँ, क्या यह स्पष्ट है कि भाषा को बदलने का समय आ गया है? क्या अंग्रेजी भाषा बदलती है? मैं आपमें से कितने लोगों से पूछता हूँ कि अगर मैं आपसे "कैसेट" शब्द कहूँ, तो क्या आप जानते होंगे कि "कैसेट" क्या है। यदि मैंने आपसे "रिकॉर्ड" शब्द कहा है, तो मैं पीढ़ियों पीछे चला जाता हूँ। तो आप लोग जानते हैं कि विनाइल रिकॉर्ड क्या है। जब हम भविष्य में जाएंगे तो क्या यह संभव है कि आपके बच्चों को यह नहीं पता होगा कि सीडी या डीवीडी क्या है? क्या यह संभव है कि आपके बच्चों को पता नहीं होगा कि सीडी या डीवीडी क्या है, क्योंकि अब सब कुछ क्लाउड में चल रहा है। इसलिए मूलतः सीडी, डीवीडी अप्रासंगिक होती जा रही हैं। तो मेरा मतलब है कि इसके वास्तव में सामने आने से पहले आपके पास कुछ साल होंगे, लेकिन ये चीजें खत्म होने वाली हैं।

तो मैं बस इतना कह रहा हूँ कि घटना यहीं घटी है, लेकिन जाहिर तौर पर भाषा बदल गई है, इसलिए उस समय के द्रष्टा को अब पैगंबर कहा जाता है। भाषा वास्तव में बदल गई थी, और लेखक वास्तव में इसके बारे में टिप्पणी करता है और कहता है, *रोह* द्रष्टा को अब पैगंबर कहा जाता है, भाषा बहुत बदल गई थी।

एस. शाऊल को राजा बनाया गया: गर्व और विनम्रता पर [66:24-72:06]

अब, शाऊल पर ध्यान किस पर है? यह उसकी ऊंचाई पर है. उसका सिर हर किसी से लंबा है, और इसलिए मूल रूप से सैमुअल कहता है कि इसके बारे में चिंता मत करो, तुम्हारे पिता के गधे मिल गए हैं। इसके बारे में चिंता मत करो "आप जिस पर पूरा इज़राइल देखता है।" शाऊल कहता है एक मिनट रुको, मैं राजा नहीं बन सकता, मैं बिन्यामीन के गोत्र से हूँ और बिन्यामीन का गोत्र इस्राएल का सबसे छोटा गोत्र है और मेरा गोत्र बिन्यामीन का सबसे छोटा गोत्र है। वैसे, क्या हर कोई जानता है कि बिन्यामीन इज़राइल की सबसे छोटी जनजाति क्यों थी? क्योंकि वे बुराई के कारण लगभग नष्ट हो गए थे। इसलिये शाऊल इस प्रकार बाहर आकर इस प्रकार की बातें कहता है, कि वह राजा बनने के योग्य नहीं है। तो यह अध्याय 9 पद 21 में ऐसा लगता है -" शाऊल ने उत्तर दिया, 'परन्तु क्या मैं इस्राएल के सबसे छोटे गोत्र से बिन्यामीन नहीं हूँ , और क्या मेरा गोत्र बिन्यामीन के गोत्र के सब कुलों में सबसे छोटा नहीं है? आप मुझसे ऐसी बात क्यों कहते हैं?" - कि वह राजा बनने जा रहा है?

यह विनम्रता जैसा लगता है. आप अपने जीवन में वास्तव में कितने विनम्र लोगों को जानते हैं? वैसे, आप कितने अहंकारी या घमंडी लोगों को जानते हैं? क्या आप अभिमान और अहंकार देख सकते हैं? क्या अभिमान और अहंकार को पहचानना सचमुच आसान है? मैं वास्तव में एक गौरवान्वित व्यक्ति के बारे में सोचता हूँ जिसे मैं जानता हूँ, वह मैसाचुसेट्स में एक सीनेटर है। मेरी बेटी न्यू हैम्पशायर में एक सीनेटर के लिए काम करती थी। मास का यह सीनेटर कभी-कभी आता था, और अगर उसके चेहरे पर कभी दाग लग जाता था, तो वह उन लोगों के पास आता था जो उसके लिए काम करते थे और उनके साथ गंदगी जैसा व्यवहार करते थे। "तुम्हारा काम मुझे अच्छा दिखाना है और मैं अब बुरा दिखता हूँ, इसलिए तुम्हें नौकरी से निकाला जाता है।" वह उन्हें फटकार लगाएंगे क्योंकि इन लोगों की वजह से उनका चेहरा खराब हुआ है। क्या यह अहंकार की निशानी

है? तुम मुझे अच्छा दिखाने के लिए मेरे गुलाम हो।

मेरी बेटी ने न्यू हैम्पशायर में सीनेटर सुन्नू के लिए काम किया। इस कार्यालय में लगभग दस लोग काम करते थे। एक दिन, सीनेटर को पूरी तरह से अपमानित किया गया, कार्यालय की लड़कियों में से एक ने इसे इस तरह से व्यवस्थित किया कि वह पूरी तरह से अंधा हो गया और मूर्ख की तरह दिखने लगा। उसके पूरे चेहरे पर अंडा था। दफ्तर में हर कोई जानता था कि इस लड़की ने सचमुच बहुत बड़ी गड़बड़ी की है। अब, सीनेटर कार्यालय में आता है, बड़ा सीनेटर, वह 'डरते और कांपते हुए' वहां प्रवेश करता है, हर कोई अपने कंप्यूटर पर काम कर रहा है, यह देखने की कोशिश कर रहा है कि वह क्या करने जा रहा है। एनएच में सीनेटर उस लड़की के डेस्क तक जाता है जिसने ऐसा किया है और वैसे इस समय वह कहती है, "दह, मुझे पता है कि मैंने बहुत बुरी गलती की है--" वह लड़की के डेस्क तक जाता है और हर कोई हथौड़ा चलाने के लिए तैयार है इस बेचारी लड़की के सिर पर दोष आना क्योंकि उसने वास्तव में गड़बड़ की है। तुम्हें पता है उसने क्या किया? वह उसकी मेज पर आता है, सीधे उसके पास जाता है और एक चुटकुला सुनाता है और कहता है, "आप जानते हैं, हम सभी अपने जीवन में कुछ बिंदुओं पर गलतियाँ करते हैं, बस इसे दोबारा न होने दें।" प्रश्न: क्या वह विनम्रता थी? बड़े सीनेटर, उसे कुचल सकते थे, और कह सकते थे "तुमने मुझे बुरा दिखाया" और वास्तव में कड़ी कार्रवाई कर सकते थे, इसके बजाय वह एक सज्जन व्यक्ति थे। क्या ऐसा कुछ था, उसके लिए ऐसा करना, यह कहना कि "हम सभी गलतियाँ करते हैं" और इसे उस संदर्भ में रखें, ताकि वह आराम कर सके और अपनी गलती का एहसास कर सके। मैं कहना चाहता हूँ कि वह आदमी विनम्र था।

आप अहंकार और विनम्रता के बीच अंतर कैसे बताते हैं? यहाँ जाँच है: यदि आप किसी ऐसे व्यक्ति को शक्ति देते हैं जो घमंडी है, तो वे इसका उपयोग कैसे करते हैं? यदि आप किसी को विनम्र शक्ति देते हैं, तो वे इसका उपयोग कैसे करते हैं? क्या एक घमंडी व्यक्ति एक विनम्र व्यक्ति की तुलना में शक्ति का बहुत अलग तरीके से उपयोग करेगा? क्या एक विनम्र व्यक्ति इसका उपयोग दूसरों की भलाई के लिए करेगा? क्या कोई घमंडी व्यक्ति इसका उपयोग खुद को मजबूत करने के लिए करेगा?

मुझे हमेशा कभी-कभी झटका लगता है, छात्र मेरे पास आते हैं और कहते हैं, "हे प्रोफेसर, आप बहुत विनम्र हैं" और इस तरह की सारी बातें। फिर मैं घर जाता हूँ और अपनी पत्नी से बात करता हूँ, और मेरी पत्नी कहती है, "आप सबसे घमंडी व्यक्ति हैं जिन्हें मैं जानती हूँ।" तो फिर मैं क्या करूँ? क्या मैं अपनी पत्नी या छात्रों पर विश्वास करता हूँ? खैर, बेशक, छात्र! वह नहीं जानती कि वास्तविक दुनिया में क्या चल रहा है। प्रश्न: कौन सही है? सच्ची बात तो यह है, मेरी पत्नी। वह मुझे जानती है। वह मुझे पढ़ती है। वह मुझे छत्तीस, सात, आठ या उससे भी अधिक वर्षों से जानती है। इसलिए वह मुझे एक किताब की तरह जानती है। तो क्या मुझे वह जो कह रही है उसे सुनने की ज़रूरत है? किसी और में घमंड पहचानना आसान है, अपने आप में पहचानना बहुत मुश्किल। क्या यह संभव है कि आप विनम्र लोगों को जानते हों जिनके पास से आप गुजर गए और आपको उनका एहसास भी नहीं हुआ क्योंकि वे विनम्र हैं और बस आपके पास से गुजर गए?

अब आप कहते हैं, "शाऊल के बारे में क्या, शाऊल विनम्र लगता है।" "मैं बेंजामिन की सबसे छोटी जनजाति से हूँ" क्या यह वास्तव में विनम्रता है या यह असुरक्षा है? असुरक्षा और विनम्रता बाहरी तौर पर एक जैसी दिख सकती हैं। आप असुरक्षा और विनम्रता के बीच अंतर कैसे बताते हैं? यदि आप किसी असुरक्षित व्यक्ति को शक्ति देंगे तो वे इसका उपयोग कैसे करेंगे? खुद को मजबूत करने के लिए। यदि आप एक विनम्र व्यक्ति को शक्ति देंगे तो वह दूसरों की मदद करेगा। प्रश्न: क्या शाऊल असुरक्षित था या वह विनम्र था? उन्होंने शक्ति का प्रयोग किस प्रकार किया? क्या उसने दाऊद का पीछा करने के लिए शक्ति का प्रयोग किया? क्या उसने नोब के पुजारियों के पीछे जाने के लिए शक्ति का प्रयोग किया ? शाऊल एक असुरक्षित व्यक्ति था। इसलिए इस छद्म विनम्रता से मूर्ख मत बनो, मेरा मानना है कि यह वास्तव में असुरक्षा है।

भविष्यवक्ताओं में टी. शाऊल: ओटी में परमेश्वर की आत्मा [72:07-82:51]

अब, परमेश्वर का आत्मा शाऊल पर आता है, अध्याय 10 श्लोक 10 में, आत्मा उस पर आता है और वह क्या करता है? वह भविष्यवाणी करने लगता है। यह कहता है, "और जब वे गिबा में पहुंचे, तो भविष्यवक्ताओं का एक जुलूस उस से मिला; परमेश्वर का आत्मा उस पर सामर्थी रूप से उतरा, और वह भी उनके साथ भविष्यवाणी करने लगा। जब वे सब जो उसे पहिले से जानते थे,

उन्होंने उसे भविष्यद्वक्ताओं के साथ भविष्यवाणी करते देखा, तो एक दूसरे से पूछने लगे, “कीश के पुत्र को यह क्या हुआ है? क्या शाऊल भी नबियों में से है?”

तो आत्मा उस पर आती है. यह पुराने नियम में परमेश्वर की आत्मा थी। परमेश्वर की आत्मा पुराने नियम में थी और उसके कार्य आम तौर पर राजाओं और पैगम्बरों जैसे लोगों को विशेष उपहार प्रदान करते थे। दरअसल, जब परमेश्वर की आत्मा शिमशोन पर आई, तो उसने उसके लिए क्या किया? इसने उसे बड़ा और मजबूत बना दिया। तो आत्मा आती है और पुराने नियम में उपहार प्रदान करती है। जब मैं छोटा था तो मुझे लगता था कि परमेश्वर की आत्मा प्रेरितों के काम अध्याय 2 में उतरी है। क्या आत्मा शुरू में पेंटेकोस्ट के प्रेरितों के अध्याय 2 में पृथ्वी पर उतरी थी? नहीं, आत्मा पुराने नियम में है, यह विभिन्न लोगों, राजाओं और पैगम्बरों को विशेष उपहार दे रही है। नए नियम में आत्मा अभी भी यहाँ है, लेकिन नए नियम में आत्मा का कार्य अलग है। नए नियम में, आत्मा मसीह के शरीर को एक साथ बांधती है, ताकि यहूदी और अन्यजाति एक शरीर हो सकें। तो नए नियम में पवित्र आत्मा का कार्य, इस अधिनियम अध्याय 2 के संदर्भ में, मसीह के शरीर को एक साथ बांध रहा है। तो यह सिर्फ आत्मा के कार्य को बदलने की बात है।

अब, शाऊल को तीन बार राजा बनाया गया। यहाँ, दूसरी बार, वे मिज़पा तक जाते हैं और यह पूरे इस्राएल के सामने एक सार्वजनिक अभिषेक होने जा रहा है। पहला रामाह में शमूएल के साथ एक निजी अभिषेक था। यह राजा के रूप में शाऊल का निजी चयन है। सैमुअल और शाऊल एक घर के निजी संदर्भ में व्यक्तिगत स्तर पर थे। अब मिस्या में शाऊल को सब लोगों के साम्हने बाहर कर दिया गया। जब वे शाऊल को बुलाने गए, तो शाऊल कहाँ है? शाऊल छिपा हुआ है. वह मौत से डरा हुआ है. वे उसकी पूँछ को वहाँ खींचते हैं, आप देख सकते हैं कि कोई उसे उसकी बेल्ट से खींचकर सामान से बाहर निकाल रहा है, और वह खड़ा हो जाता है, बाकी सभी से ऊँचा सिर। वैसे , क्या वे किसी बड़े और मजबूत व्यक्ति को चाहते थे ? हाँ, उसे युद्ध में उनका नेतृत्व करना था। तो भगवान इस लंबे मजबूत आदमी को चुनते हैं और उसे राजा बनाने के लिए बोझ से बाहर खींचते हैं। तो फिर शाऊल को क्या करना होगा? नये नेता के तौर पर उन्हें जीत हासिल करनी होगी. वह गिलाद के याबेश के पास गया , और उसने अम्मोनियों को हरा दिया। जाबेश गिलियड कहाँ है ? यह जॉर्डन के पार है.

जाबेश गिलियड के साथ कोई संबंध बनाया ? याबेश गिलाद में अम्मोनियों पर शाऊल की यह पहली विजय है। क्या किसी को जाबेश गिलियड याद है? यह लाख टके का प्रश्न है; पिछली अवधि में यह किसी को नहीं मिला।

जब बेन्जामियों की संख्या घटकर 600 रह गई, और अधिकांश बेन्जामवासी मारे गए, तो उन्हें बचे हुए बेन्जामियों के लिए पत्नियाँ कहाँ से मिलीं ? जाबेश गिलियड. क्या यह संभव है कि शाऊल की दादी याबेश गिलियड से आई थीं और वह वहाँ बचाव करने जा रहा है क्योंकि उसकी पारिवारिक जड़ें वहीं से थीं? अब मैं यह नहीं जानता, लेकिन यह निश्चित रूप से समझ में आता है कि वह जाबेश गिलियड के पास क्यों जाएगा और उनकी रक्षा करेगा। इसलिये शाऊल याबेश गिलाद की रक्षा करता है।

शाऊल को तीसरी बार "राजा बनाया गया" गिलगाल में वाचा के नवीनीकरण के दौरान है। अब गिलगाल में यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। वे गिलगाल तक जाते हैं। क्या वह कोई पवित्र स्थान है? यह जेरिको द्वारा नीचे है. वे यरदन नदी पार करके गिलगाल को गए और मन्ना रुक गया, खतना हुआ, उन्होंने गिलगाल में अपना तीसरा फसह मनाया। तो अब, वे गिलगाल जाते हैं और वहाँ वे वाचा को नवीनीकृत करते हैं। अब यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण अवधारणा है. जब मूसा ने यहोशू को उत्तराधिकार सौंपा, तो मूसा ने क्या किया? वह व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को एक वाचा के नवीनीकरण के रूप में लिखते हुए कहता है कि सत्ता मूसा से यहोशू को हस्तांतरित होने जा रही है। जैसे ही सत्ता का उत्तराधिकार मूसा से यहोशू के पास जाता है, उन्हें वाचा के नवीनीकरण के माध्यम से खुद को ईश्वर के प्रति फिर से समर्पित करने की आवश्यकता होती है। जोशुआ की पुस्तक के अंत में, वह इसे न्यायाधीशों को सौंपने जा रहा है। जोशुआ की उस पुस्तक के अंत में अनुमान लगाएं कि जोशुआ 24 में आपके पास क्या है, आपके पास एक अनुबंध नवीनीकरण समारोह है। जबकि यहोशू लुप्त हो रहा है, वह नई पीढ़ी को सौंप रहा है, वे स्वयं को वाचा के प्रति प्रतिबद्ध करते हैं। अब यहाँ क्या हो रहा है? शमूएल, न्यायाधीशों में से अंतिम, राजत्व की ओर बढ़ रहा है, और चूंकि न्यायाधीशों के बीच इस नए राजा या धर्मतंत्र से राजतंत्र तक उत्तराधिकार होता है, इसलिए गिलगाल में वाचा का नवीनीकरण होता है; रिश्ते का नवीनीकरण.

वैसे, क्या यह कॉलेज अभी उत्तराधिकार परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है? कई वर्षों तक राष्ट्रपति रहे जुड कार्लबर्ग से लेकर नए राष्ट्रपति माइकल लिंडसे तक। जब भी सत्ता का परिवर्तन होता है, तो क्या वह समय ऐसा होना चाहिए जब किसी के रिश्ते में ईश्वर के प्रति प्रतिबद्धता हो? इसलिए नवीकरण अनुबंध के साथ यह कुछ दिलचस्प है।

अब सैमुअल जवाब देता है, और यहां उसकी प्रतिक्रिया अध्याय 12 श्लोक 3 में बहुत दिलचस्प है। सैमुअल कहता है, “यहां मैं खड़ा हूँ। यहोवा और उसके अभिषिक्त के साम्हने मेरे साम्हने गवाही दो, कि मैं ने किसका बैल ले लिया है? मैंने किसका गधा पकड़ लिया है? मैंने किसे धोखा दिया है?”

सैमुअल सभी लोगों के सामने खड़ा होता है और कहता है, “अरे, क्या मैंने तुमसे कुछ चुराया है? क्या मैंने तुमसे कुछ लिया है, इस पूरे स्थान में किसी को धोखा दिया है?” वे सभी कहते हैं, “नहीं, आप एक अच्छे नेता रहे हैं।” क्या यह सैमुअल पर बहुत अच्छी टिप्पणी है?

वह अध्याय 12 श्लोक 23 के अंत में यह कहता है, “जहाँ तक मेरी बात है, यह मुझ से दूर रहे कि मैं तुम्हारे लिये प्रार्थना न करके यहोवा के विरुद्ध पाप करूँ। मैं तुम्हें उस रीति से शिक्षा दूँगा जो अच्छी और उचित है।” क्या शमूएल ने इसे पाप के रूप में देखा यदि उसने उन लोगों के लिए प्रार्थना नहीं की? उन्होंने कहा, “मैं अभी सत्ता में नहीं हूँ, मैं सत्ता से बाहर हूँ, नया राजा सत्ता संभालने वाला है, लेकिन मुझे आपके लिए प्रार्थना करने की ज़रूरत है।”

आप में से कितने लोग अपने नेताओं के लिए प्रार्थना करते हैं? आप में से कितने लोग माइकल लिंडसे के लिए प्रार्थना करते हैं क्योंकि वह इस संस्था का नेतृत्व करते हैं। जब मैं फ्रॉस्ट हॉल में जाता हूँ तो मैं एक चीज़ स्थापित करता हूँ, मैं सब कुछ भूल जाता हूँ, इसलिए मैं छोटे मार्कर बनाता हूँ। इसलिए जब मैं फ्रॉस्ट के दरवाजे से गुजरता हूँ, तो मुझे मूल रूप से तीन लोगों के लिए प्रार्थना करना याद आता है, माइकल लिंडसे, डैन टायमन जो मेरे नायकों में से एक हैं, और ब्रूस वेब। ब्रूस 30 वर्षों से अधिक समय से यहां संकाय सदस्य हैं और उन्हें स्टेज 4 का कैंसर है। आप जानते हैं उसका क्या अर्थ है? इसका मतलब है कि वह इतिहास है। वहां जाते समय मैं ब्रूस के लिए प्रार्थना करता हूँ। दरअसल, इस कक्षा में पढ़ाने के लिए आने से ठीक पहले मैं उनसे बात कर रहा था। आपको लोगों के लिए प्रार्थना करने की ज़रूरत है और आपको ट्रिगर्स की ज़रूरत है। सैमुअल

कहते हैं, "पाप करना मेरे बस की बात नहीं है और मैं आपके लिए प्रार्थना नहीं कर सकता" और इसलिए दूसरों के लिए प्रार्थना करना वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण है और सैमुअल ने वह भूमिका निभाई।

अब, 1 शमूएल 13 क्या है? यह कुछ ऐसा है जिसे आप अपने माता-पिता के पास यह दिखाने के लिए ले जा सकते हैं कि आप कितने स्मार्ट हैं और वे गॉर्डन पर क्रोधित हो सकते हैं। किंग जेम्स संस्करण कहता है, "शाऊल ने एक वर्ष तक शासन किया और फिर उसने इस्राएल पर दो वर्ष तक शासन किया।" क्या किसी को याद है कि हमने सेमेस्टर की शुरुआत इसी से की थी? आपको याद है पुराना एनएएसवी कहता है "शाऊल 40 वर्ष का था और उसने इस्राएल पर 32 वर्षों तक शासन किया" यह राजा जेम्स से भिन्न है। "शाऊल एक वर्ष और फिर दो वर्ष तक इस्राएल पर राज करता रहा।" वैसे, क्या किंग जेम्स गलत हैं? वह श्लोक मूर्खतापूर्ण है... उसने एक वर्ष, फिर दो वर्ष, फिर तीन और फिर चार वर्ष तक शासन किया...

एनआईवी दूसरे रास्ते पर जाता है, एनआईवी और एनएलटी कहते हैं, "जब शाऊल ने शासन करना शुरू किया तब वह 30 वर्ष का था और उसने इज़राइल पर 42 वर्षों तक शासन किया" क्या यह भी अलग है? पुराना NASB कहता है 40 और 32 और NIV कहता है 30 और 42। यहाँ NRSV और ESV है, ESV दुर्भाग्य से RSV का एक वानर था, और वे कहते हैं "शाऊल... वर्षों पुराना था और उसने वर्षों तक शासन किया।" एनआरएसवी और ईएसवी आपको क्या बता रहे हैं? नंबर चला गया।

अब यह पवित्रशास्त्र की अचूकता और पवित्रशास्त्र की प्रेरणा के बारे में आपके दृष्टिकोण को कैसे प्रभावित करता है? नंबर चला गया। दुनिया में कोई नहीं जानता। मैं जानता हूँ कि वर्तमान में रहने वाला कोई भी व्यक्ति यह नहीं जानता है। प्रेरणा का दृष्टिकोण क्या है; क्या यह पवित्रशास्त्र की अचूकता और प्रेरणा के बारे में हमारे दृष्टिकोण को प्रभावित करता है? नहीं! प्रेरणा का किससे लेना-देना है? प्रेरणा का संबंध ईश्वर द्वारा पैगम्बर से बात करने और पैगम्बर द्वारा इसे लिखने से है। क्या भविष्यवक्ता ने इसे अच्छे से लिखा था? हाँ वह था।

क्या हुआ? इसे बार-बार कॉपी किया जाता है। क्या यह एक लिपि संबंधी समस्या है? यह एक शास्त्रीय समस्या है। शास्त्री मनुष्य थे जिन्होंने 1000 वर्षों तक परमेश्वर के वचन की नकल की।

अतः शास्त्रियों को समस्या हुई। क्या यह प्रेरणा के लिए कोई समस्या है? नहीं, प्रेरणा का संबंध ईश्वर द्वारा पैगम्बर से बात करने और पैगम्बर द्वारा इसे लिखने से है। यह ट्रांसमिशन से जुड़ी एक समस्या है, पाठ को बार-बार कॉपी किए जाने से जुड़ी एक स्क्रिबल समस्या है। तो इससे पता चलता है कि बाइबल में संचरण की समस्याएँ हैं। क्या परमेश्वर चाहता है कि हम बाइबल की आराधना करें, या क्या परमेश्वर चाहता है कि हम उसकी आराधना करें?

तो यह बात है। रुकने के लिए धन्यवाद और आपके माता-पिता और भाइयों और बहनों को बहुत-बहुत धन्यवाद और शुभकामनाएँ और मुझे आशा है कि आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। अपना ध्यान रखना!

चारिस ताउलोफाई और बेथ क्रैन्डल द्वारा लिखित
टेड हिल्लेब्रांट 2 द्वारा रफ संपादित